सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 323, नई दिल्ली । गुरुवार, 30 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 एलजी के भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ने के बजाय अपनी जिम्मेदारी निभाए
06 अंतरिक्ष में कामयाबी के कदम
08 प्रयागराज भगदड़: प्रशासनिक लापरवाही या भक्तों का उन्माद

परिवहन विभाग के झूलझूली वाहन जांच शाखा की कार्यशैली पर होनी चाहिए निष्पक्ष जांच

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों द्वारा लगातार उठाए जाने वाली शिकायतों पर वहां के अधिकारियों, कर्मचारियों और कार्यरत निजी कंपनी के स्टाफ की कार्यशैली की जांच की मांग जोर उठा रही हैं। इस जांच की मांग उठाने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं, आइए उनमें से कुछ कारण जानते है

1. वाहन जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवश्यक अपॉइंटमेंट आम वाहन मालिकों द्वारा प्राप्त करना असंभव है जब की कई अन्य अपनी इच्छा के अनुसार मुंह मागे दाम प्राप्त कर गारंटी के साथ अपॉइंटमेंट उपलब्ध करके दे देते हैं। वाहन मालिकों का कहना है की ऐसा कृत्य अंदरूनी अधिकारियों, कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं,

2. वाहन मालिकों की दूसरी शिकायत है की झूलझूली वाहन जांच शाखा में आम वाहन मालिकों के वाहनों की जांच सिर्फ प्राप्त अपॉइंटमेंट तारीख पर ही की जाती हैं पर अंदर ही अंदर अपने परिचितों के वाहन की जांच प्राप्त अपॉइंटमेंट से पहले ही कर दी जाती है,

3. वाहन मालिकों की शिकायत है की अन्दर के अधिकारी और कर्मचारी वाहन की वहां लगी हुई ऑटोमेटिक मशीन से जांच करवाए बिना भी कई वाहनों को जांच प्रमाण पत्र जारी कर देते हैं,

4. वाहन मालिकों की शिकायत है की झूलझूली वाहन जांच शाखा के बाहर उपस्थित मध्यस्थता करने वालो के माध्यम से जांच के लिए गया वाहन 100 प्रतिशत जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करके आयेगा पर आम वाहन मालिकों के वाहन बिलकुल कसौटी पर खरे होने के बावजूद फेल कर दिए जाते हैं,

5. झूलझूली वाहन जांच शाखा क्षेत्र में वाहन मालिकों और उनके वाहनों की सुरक्षा के लिए कोई बंदोबस्त नहीं है और अंदरुनी अधिकारी और कर्मचारी इसके लिए कोई कार्यवाही नहीं करते।

झूलझूली वाहन जांच शाखा में कार्यरत सभी सरकारी, विभागीय और निजी कम्पनी के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली की होनी चाहिए निष्पक्ष जांच एजेंसी द्वारा जांच।

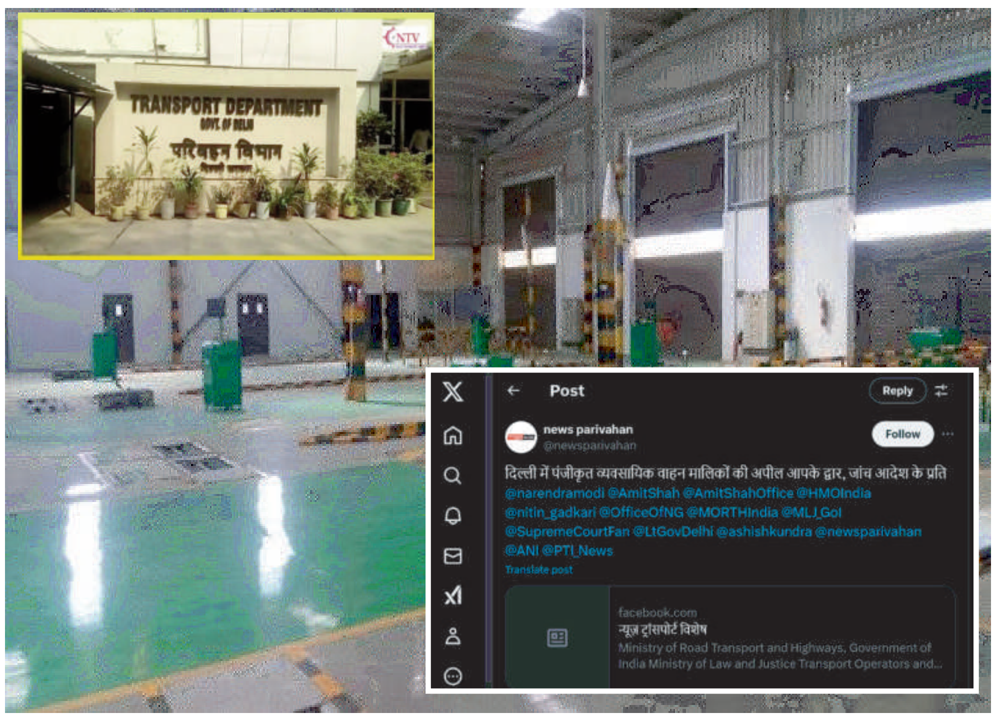

दिल्ली-एनसीआर में जहरीली हुई हवा, फिर से ग्रैप-3 लागू; देखें किन चीजों पर रहेगी पाबंदियां

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण ग्रेप-3 (GRAP 3) की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। इस कारण कई चीजों पर रोक लग जाएगी। प्रदूषण के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा जिससे हाईवे पर वाहन चलाना मुश्किल हो गया। आगे विस्तार से जानिए किन-किन चीजों पर पाबंदियां रहेगी।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए बुधवार को ग्रेप-3 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। पूरे एनसीआर में ग्रेप-3 की पाबंदियां लागू होने से कई चीजों पर रोक लग जाएगी।

बता दें कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का लेवल बढ़ने पर लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। उधर, आज सुबह के समय कोहरा भी घना छाया रहा, जिस वजह से लोगों को हाईवे पर वाहन चलाने में काफी परेशानी हुई।

बीएस-3 पेट्रोल व बीएस-4 इंजन वाले 4 पहिया वाहनों के इस्तेमाल पर लगी रोक

एनसीआर में प्रदूषण का स्तर एक बार फिर बढ़ गया है। दिल्ली और एनसीआर के ज्यादातर प्रमुख शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब से बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। सीपीसीबी के अनुसार, प्रदूषण का स्तर अभी घटने की संभावना नहीं है। इसी के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप समिति ने आपात बैठक कर एनसीआर में ग्रेप तीन लागू कर नौ सूत्री प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए हैं।

इसके तहत एनसीआर में विध्वंस और ऐसे सभी निर्माण कार्य पर सीएक्यूएम ने प्रतिबंध लगा दिया है जिनसे धूल उड़ने पर प्रदूषण फैलता है। यानी अधिक प्रदूषण फैलाने वाले निर्माण और विध्वंस कार्य बंद रहेंगे। अस्पताल, रेल, मेट्रो, एयरपोर्ट, राष्ट्रीय सुरक्षा इत्यादि आवश्यक सेवाओं से जुड़ी परियोजनाओं को छूट रहेगी।

दिव्यांग लोगों को इस प्रतिबंध से छूट दी

इसके अलावा निर्माण सामग्री ढोने वाले वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। सभी स्टोन क्रसर मशीनों के संचालन, खनन और उससे जुड़ी गतिविधियों पर भी रोक रहेगी। इसके अलावा दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर जिले में बीएस तीन पेट्रोल व बीएस चार इंजन वाले चार पहिया वाहनों (कार) के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। लेकिन दिव्यांग लोगों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। इसलिए दिव्यांग अपने व्यक्तिगत जरूरत के लिए बीएस तीन पेट्रोल व बीएस चार इंजन की कार का इस्तेमाल कर सकते हैं। बीएस चार डीजल इंजन वाले माल वाहक वाहनों के भी दिल्ली में प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा।

सीएक्यूएम ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 13 दिसंबर को ग्रेप तीन में शामिल नए प्रविधानों का भी पालन करना होगा। दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर जिले में पांचवीं कक्षा तक स्कूलों को अनिवार्य रूप से हाइब्रिड मोड में चलाना होगा। अभिभावक व बच्चे आनलाइन या आफ लाइन पढ़ाई का विकल्प चयन कर सकते हैं। दिल्ली में पंजीकृत बीएस चार या उससे कम मानक के डीजल इंजन एमजीवी (मीडियम गुड्स व्हीकल) का राष्ट्रीय राजधानी में परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। सिर्फ जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों को इससे छूट दी गई है।

दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएच चार या उससे कम मानक के डीजल इंजन के हल्के व्यवसायिक वाहनों का दिल्ली में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर में सरकारी दफ्तरों व सिविक एजेंसियों के कार्यालय के ड्यूटी के समय में बदलाव कर दफ्तरों के खोलने और बंद करने का समय अलग-अलग निर्धारित करना होगा। एनसीआर के दूसरे जिलों में भी यदि राज्य सरकारें स्कूलों में पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई आनलाइन व आफलाइन दोनों तरीके से संचालित करने का आदेश दे सकती हैं। साथ ही कार्यालयों के शुरू और बंद होने का समय अलग-अलग निर्धारित कर सकती हैं।

GRAP-3 लागू होने पर इन चीजों पर रहेगी रोक

GRAP-3 में दिव्यांग लोगों को दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर जिले में व्यक्तिगत जरूरत के लिए बीएस तीन पेट्रोल इंजन और बीएस चार डीजल इंजन के हल्के वाहन (कार) के इस्तेमाल की छूट रहेगी।

दिल्ली में माल ढुलाई के लिए बीएस-4 के डीजल इंजन वाले एमजीवी (मीडियम गूड्स व्हीकल) पर प्रतिबंध रहेगा। इस प्रतिबंध से सिर्फ आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छूट रहेगी।

दिल्ली से बाहर पंजीकृत बीएस चार और उससे कम मानक के डीजल इंजन वाहनों को ग्रेप-3 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश वर्जित रहेगा। पहले ये प्रावधान चौथे चरण में शामिल थे।

ग्रेप-3 दिल्ली में बीएस-IV या पुराने मानकों वाले गैर-आवश्यक डीजल-संचालित मध्यम माल वाहनों पर भी प्रतिबंध लगता है।

ग्रेप-3 में दिल्ली एनसीआर के स्कूल पांचवीं कक्षा तक की पढ़ाई हाइब्रिड मोड में करा सकते हैं। अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन क्लास का विकल्प चयन कर सकते हैं।

ग्रेप-3 में दिल्ली सरकार और एनसीआर से संबंधित राज्य सरकारें सरकारी विभागों और सिविक एजेंसियों के कार्यालय के समय में बदलाव कर सकती हैं।

ग्रेप-3 में शामिल नए प्रावधानों का पालन संबंधित एजेंसियों को सुनिश्चित करना होगा।

बड़ी खुशखबरी: नमो भारत ट्रेन से यात्रा हुई सस्ती; अब इतने रुपये की होगी बचत

नमो भारत ट्रेन से यात्रा करने वालों के लिए खुशखबरी है। अब एनसीआरटीसी (NCRTC) ने एनसीएमसी कार्ड इस्तेमाल करने पर हर यात्रा पर 10 प्रतिशत की छूट देने का एलान किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को वित्तीय लाभ प्रदान करना और पेपरलेस टिकटिंग को बढ़ावा देना है। यात्री नमो भारत मोबाइल ऐप के जरिए खरीदे गए टिकटों पर भी छूट का लाभ उठा सकते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी, NCRTC) ने नमो भारत ट्रेन से यात्रा करने वालों को थोड़ी राहत दी है। अब एनसीएमसी कार्ड इस्तेमाल करने पर हर यात्रा पर 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। हालांकि, यात्रियों को इससे बहुत ज्यादा राहत नहीं मिलेगी।

एनसीआरटीसी की यह पहल हाल ही में लॉन्च किए गए लॉयल्टी पॉइंट प्रोग्राम का विस्तार है, जिसके अंतर्गत 'नमो भारत' मोबाइल ऐप के माध्यम से खरीदे गए टिकटों पर छूट प्रदान की जा रही है। इस पहल के साथ, यात्री अब नमो भारत ट्रेनों में अपनी प्रत्येक यात्रा पर एनसीएमसी कार्ड से भी छूट का आनंद ले सकते हैं, जिसके अंतर्गत वे जितनी अधिक यात्रा करेंगे, उतनी ही अधिक बचत कर सकेंगे।

एकत्रित पॉइंट्स एनसीएमसी खाते में किए जाएंगे जमा

लॉयल्टी प्रोग्राम के तहत, यात्री एनसीएमसी कार्ड का उपयोग करके नमो भारत ट्रेनों में यात्रा पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये पर एक पॉइंट अर्जित करेंगे। प्रत्येक लॉयल्टी पॉइंट का मूल्य 0.10 (10 पैसे) है, और एकत्रित पॉइंट्स यात्री के एनसीएमसी खाते में जमा किए जाएंगे।

100 रुपये की यात्रा पर 10 रुपये की छूट

बता दें कि अगर कोई यात्री 100 रुपये यात्रा पर खर्च करता है तो उसके एनसीएमसी खाते में 100 अंक (10 के बराबर) जमा किए जाएंगे। यह ऑफर किसी भी एनसीएमसी कार्ड पर उपलब्ध है। स्टेशन के टिकट काउंटर पर इन पॉइंट्स को रिडीम कराकर छूट का लाभ उठाया जा सकता है।

एनसीआरटीसी की पहल से लाखों लोगों को होगा फायदा

एनसीआरटीसी ने हाल ही में लॉयल्टी पॉइंट्स प्रोग्राम की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत यात्रियों को 'नमो भारत' (Namo Bharat) एप के जरिए खरीदे गए टिकटों पर 10 प्रतिशत की छूट मिलती है। ऐप के जरिए डिजिटल क्यूआर टिकट खरीदने और एनसीएमसी कार्ड के इस्तेमाल पर छूट देने की इस पहल का उद्देश्य न केवल यात्रियों को वित्तीय लाभ प्रदान करना है, बल्कि पेपरलेस टिकटिंग के साथ यात्रा को सुव्यवस्थित बनाना और एक स्वच्छ, सतत भविष्य में योगदान देना भी है।

लॉयल्टी प्रोग्राम नमो भारत ट्रेनों के नियमित यात्रियों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे उन्हें हर यात्रा के साथ बचत का लाभ प्रदान किया जाए। नमो भारत के नियमित यात्री, प्रत्येक यात्रा के साथ एकत्रित लॉयल्टी बोनस को अनलॉक कर उसे किफायती बना सकते हैं।

ऐसे भी मिलेगा एप का फायदा

यात्रियों के अधिक कुशल और आरामदायक यात्रा अनुभव के लिए उन्हें नमो भारत मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। एप के हर नए उपयोगकर्ता को एप डाउनलोड करने पर 50 रुपये (500 लॉयल्टी पॉइंट्स के बराबर) मिलते हैं। इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ता दूसरों को एप रेफर करके अतिरिक्त 500 लॉयल्टी पॉइंट्स भी कमा सकते हैं।

गूगल प्ले और एप्पल एप स्टोर दोनों पर उपलब्ध है एप

बता दें कि रेफर करने वाले और रेफरी दोनों को 50 रुपये (500 लॉयल्टी पॉइंट के बराबर) मिलेंगे, जो उनके संबंधित खातों में जमा किए जाएंगे। अर्जित किए गए सभी लॉयल्टी पॉइंट्स क्रेडिट की तारीख से एक वर्ष के लिए वैध हैं, जो नियमित, सतत यात्रा और ऐप के साथ निरंतर जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। नमो भारत एप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर दोनों पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

ये यात्री-केंद्रित पहल नमो भारत यात्रियों के लिए किफायती, सुविधाजनक और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की एनसीआरटीसी की निरंतर प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं। ये आधुनिक, जिम्मेदार और कुशल परिवहन को बढ़ावा देने वाले अभिनव समाधानों को लागू करने के प्रति एनसीआरटीसी के समर्पण को भी दर्शाते हैं।

फैटी लीवर

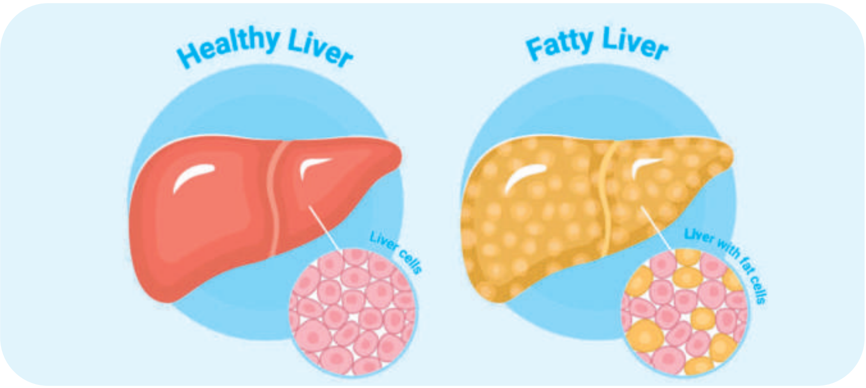

आज हम फैटी लीवर के बारे में बात करेंगे। फैटी लीवर एक चिकित्सीय स्थिति है जिसमें धीरे-धीरे लीवर में वसा जमा होने लगती है। कई लोगों को लगता है कि अगर उन्हें फैटी लीवर है तो अपच या गैसट्रिक से जुड़ी पेट की सारी शिकायतें इसी बीमारी के कारण होती हैं, लेकिन यह बिल्कुल भी सही नहीं है। फैटी लिवर का एक मुख्य कारण शराब का सेवन है, इसके अलावा कुछ ऐसी दवाएं भी हैं जिनके सेवन से लिवर में फैट जमा हो सकता है इसके अलावा, हेपेटाइटिस बी, सी जैसे वायरल संक्रमण से लीवर में समस्या हो सकती है जिससे लीवर में वसा का निर्माण भी हो सकता है। आज के दौर में एक नया कारण सामने आया है जो हमारी जीवनशैली से जुड़ा है। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ जैसे उच्च रक्तचाप, शुगर, मोटापा और रक्त में उच्च कोलेस्ट्रॉल भी इसके कुछ कारण हैं। खून में कोलेस्ट्रॉल धीरे-धीरे लीवर में प्रवेश करता है और फैटी लीवर का कारण बनता है। इस बीमारी को हम नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज कहते हैं। संक्षेप में हम इसे NAFLD कहते हैं। एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग वह बीमारी है जो शराब के सेवन से होती है। दोनों के कारण अलग-अलग हैं लेकिन बीमारी का असर लगभग एक जैसा है।

क्या यह फैटी लीवर मानव शरीर के लिए हानिकारक है? ऐसा देखा गया है कि ज्यादातर मामलों में फैटी लिवर से मरीजों को कोई परेशानी नहीं होती है, लेकिन कुछ लोगों में, लगभग 15-20% लोगों में, जिनमें फैटी लिवर होता है, लिवर कोशिकाओं में मौजूद वसा कोशिकाओं में सूजन या इन्फ्लेमेशन देता है। हम इसे NASH चरण कहते हैं यानी नॉन अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस। एनएएसएच के कुछ प्रतिशत रोगियों में यह बीमारी और भी बढ़ सकती है। प्लेन स्टीटोसिस या साधारण स्टीटोसिस में जहां यकृत कोशिकाओं में कोई सूजन नहीं होती है, यह वर्षों तक बिल्कुल भी नुकसान नहीं पहुंचाता है लेकिन NASH स्टेज में जहां कोशिकाओं में सूजन आ जाती है, धीरे-धीरे लिवर खराब हो सकता है। धीरे-धीरे जब लीवर में सूजन आ जाती है, निशान पड़ जाते हैं तो इसे हम स्कारिंग कहते हैं। 15 से 20 साल में पूरा लीवर ख़राब हो जाता है और कभी-कभी ख़राब भी हो जाता है। यहां तक कि ऐसी स्टेज भी आती है जहां लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ जाती है। लेकिन अच्छी बात यह है कि यह बहुत ही दुर्लभ स्थिति है और केवल 8% लोग ही इस स्तर तक पहुंच पाते हैं। जैसा कि मैंने आपको बताया कि यह बीमारी बहुत आम है इसलिए अगर हम आम जनता की बात करें तो लगभग 30% लोगों को यह एनएएफएलटी बीमारी हो सकती है जो कि नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज है और जिन लोगों को मोटापा, रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह की समस्या है, ऐसी 60% आबादी को फैटी लीवर की समस्या हो सकती है। अगर इसके लक्षणों की बात करें तो शुरुआती चरण में इसके कोई भी लक्षण नजर नहीं आते हैं। लेकिन लगभग 10-15% लोगों में ऐसा देखा जाता है कि हमारे पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में खिंचाव या भारीपन महसूस होता है जो इस बीमारी के कारण हो सकता है। इसके अलावा कोई अन्य लक्षण नहीं हैं, ये बीमारी के बहुत अंतिम चरण में देखे जा सकते हैं। इसलिए इस बीमारी का शुरुआती चरण में ही निदान करना जरूरी है ताकि इसका इलाज किया जा सके।

आजकल अल्ट्रा साउंड जैसे बॉडी चेकअप के जरिए फैटी लिवर का पता लगाया जा सकता है। या फिर अगर आप किडनी के लिए पेट का अल्ट्रा साउंड करा रहे हैं तो उसमें भी फैटी लिवर का निदान हो सकता है।

क्या इसका इलाज संभव है? हाँ, इसका इलाज अवश्य संभव है। जैसा कि हम जानते हैं कि यह एक जीवनशैली से संबंधित बीमारी है, इसलिए जो बीमारियाँ इसका कारण बन रही हैं यदि हम उन्हें ठीक से नियंत्रित करते हैं जैसे कि यदि हम मोटापा, बीपी, शर्करा स्तर को नियंत्रित करते हैं तो सामान्य है और यदि हम रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करते हैं, तो हम इस बीमारी को रोक सकते हैं और जिन लोगों को यह बीमारी एडवांस स्टेज में है उन्हें ठीक किया जा सकता है।

ऐसा देखा गया है कि अगर हम अपना वजन 5 से 10% तक कम कर लें तो इस बीमारी पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। स्वस्थ जीवन शैली का मतलब है कि हमें रोजाना 30 मिनट तेज चलना चाहिए, हमें अपने खान-पान की आदतों में बदलाव करना चाहिए और हमें कम तला-भुना और मीठा खाना खाना चाहिए। संक्षेप में कहें तो हमें इन बीमारियों से खुद को बचाने के लिए अपनी कैलोरी में 30% की कटौती करनी चाहिए।

अंत में मै है ये बताना चाहेंगे चूंकि यह जीवनशैली से संबंधित बीमारी है, अगर हम अन्य सभी बीमारियों पर नियंत्रण रखें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं तो हम इसे रोक सकते हैं और आयुर्वेदिक उपचार के माध्यम से भी हम लीवर की सभी बीमारियों को जड़ से खत्म कर सकते है .

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि है, जिनकी हत्या 1948 में नाथूराम गोडसे ने इसी दिन की थी। महात्मा गांधी , जिन्हें भारत में प्यार से ₹बापू₹ कहा जाता है, ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विभिन्न शांतिपूर्ण आंदोलनों के माध्यम से अहिंसा या अहिंसा की शक्ति का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने मूल्यों और सिद्धांतों से दुनिया भर के नेताओं को प्रेरित किया।

दिन 30 जनवरी को मुख्य रूप से महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। लेकिन यह दिन शहीद दिवस या शहीद दिवस भी है। यह उन सभी शहीदों को याद करने और उन्हें सम्मान देने का दिन है जिन्होंने अपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।

इतिहास 30 जनवरी, 1948 को जब महात्मा गांधी अपनी पोतियों के साथ दिल्ली के बिड़ला भवन में शाम की प्रार्थना सभा को संबोधित करने जा रहे थे, तो हिंदू राष्ट्रवादी नाथूराम गोडसे ने उनके सीने में तीन गोलियां दाग दीं। रिकॉर्ड के अनुसार, उनकी तत्काल मृत्यु हो गई। हर साल महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया जाता है क्योंकि देश के लोग महात्मा गांधी पुण्यतिथि मनाते हैं।

महत्व महात्मा गांधी को पूरे देश में शांति और अहिंसा का अभ्यास करने के लिए लोगों को प्रभावित करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने भारत में कई स्वतंत्रता आंदोलनों का नेतृत्व किया और उनमें योगदान दिया, जिसमें असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, खिलाफत आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन और चंपारण सत्याग्रह शामिल हैं। 1930 में, उन्होंने नमक सत्याग्रह भी शुरू किया और गुजरात में साबरमती आश्रम से दांडी तक एक मार्च निकाला।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पूरे देश में प्रार्थनाएँ की जाती हैं। सरकारी अधिकारी, नेता और नागरिक देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारकों और प्रतिमाओं पर इकट्ठा होकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं।

शहीद दिवस के एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान में शहीदों द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करने और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखना भी शामिल है।

अश्वनी नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपाय

ज्योतिषाचार्य पं योगेश पौराणिक

अश्वनी नक्षत्र, आकाश में तारामंडल का आरंभिक बिंदु होने से यह सभी कार्यों के आरंभ को दर्शाता है। अश्वनी का शाब्दिक अर्थ अश्वी अर्थात घोड़े की पत्नी घोड़ी से है। अश्वनी का प्रतीक चिन्ह घोड़े का सिर है जो कि आरंभ को दर्शाता है तथा नक्षत्रपति केतु ग्रह को माना गया है। सूर्य पुत्र अश्वनी कुमार इस नक्षत्र के स्वामी देवता है जो कि सत्यनिष्ठ, वैधक और शास्त्र के ज्ञाता है। इसके अलावा अश्वनी नक्षत्र का संबंध विघ्नहर्ता , मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी से भी है क्योंकि सभी कार्यों का आरंभ इन्ही की पूजा से होता है।

स्वभाव : अश्वनी नक्षत्र में जन्मे जातक के स्वभाव में प्रायः तेजी , फुर्ती , शीघ्रता स्पष्ट देखने को मिलती है । यह जिंदादिल, खुशमिजाज , स्पष्टवादी तथा बिना समय नष्ट किए काम करने में विश्वास रखते हैं। किसी भी बात को शीघ्र समझ कर ,सही निर्णय लेने की इनमे अदभुत क्षमता होती है। वे दिखने में गठीले, आकर्षक, पुष्ट देह के स्वामी होते हैं । बहुत समय तक युवा बने रहने की अद्भुत क्षमता अश्वनी नक्षत्र की विशेषता है।

श्री वाराहमिहिर के अनुसार अश्वनी नक्षत्र के जातक बुद्धिमान, व्यवहार कुशल , सजने संवरने के बहुत शौकीन होते है।

कैरियर : अश्वनी नक्षत्र में जन्मे जातक अक्सर साहस और शौर्य तथा जोखिम भरे कार्यों में सफल देखे गए हैं। वैज्ञानिक,खिलाड़ी, सेना नायक, पुलिस विभाग, यांत्रिक अभियंता, फार्मिस्ट, रिपरिंग का काम,स्वर्ण आभूषण निर्माता, कार रेस, नृत्य एवं परिवहन उद्योगों में सफलता प्राप्त करते हैं।

रोगः सभी प्रकार के वात रोग तथा शरीर में अत्यधिक चोट लगने से अश्वनी नक्षत्र में जन्मे जातक प्रभावित होते हैं।

उपाय : अश्वनी नक्षत्र में जन्मे जातक जब कभी जीवन में कष्टों का अनुभव करें तब उन्हे भगवान गणेश के मंत्र ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का जाप करना लाभ कारी होता है । इसके अलावा जब भी अश्वनी नक्षत्र में चंद्रमा का गोचर हो उस दिन एक माला ॐ ऐं बीज मंत्र जप करने से जीवन के सभी कार्यों में सफलता प्राप्त की जा सकती है। भगवान गणेश तथा हनुमान जी की आराधना अश्वनी नक्षत्र में जन्मे व्यक्ति के लिए विशेष सिद्धिदायक होती है।

हथकरघा प्रकल्प के उद्देश्य

- गांवों से पलायन रोकना
- खेती एवं पशुपालन के साथ-साथ वैकल्पिक रोजगार देना
- मछली पालन आदि हिंसक आजीविका करने वालों को भी सात्विक आजीविका का अवसर देकर उनको भी पाप कार्यों से बचाना।
- पावर लूम से कपड़ा बनाने में मटन टैलो (चर्बी की माढ़) का प्रयोग किया जाता है, उसके विकल्प स्वरूप हथकरघा के माध्यम से सभी को अहिंसात्मक पद्धति से निर्मित कपड़ा उपलब्ध कराना।
- हथकरघा के कपड़े स्वास्थ्य के अनुकूल होते हैं, स्वास्थ्य की रक्षा।
- पर्यावरण की रक्षा
- बेरोजगारी की समस्या दूर करना
- लुप्त होती भारतीय कलाओं का संरक्षण संवर्धन।
- भारत का पैसा भारत में ही रहे, भारत पूर्णतः स्वावलंबी बने।
- श्रम की महत्ता को प्रकाशित करना।
- भारत के प्राचीन वैभव एवं संपन्नता को वापस लाना, भारत को पुनः सोने की चिड़िया बनाना।
- भारतीय शिक्षा व्यवस्था में कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाता था, उसे लौटाना।
- सम्यग्दर्शन के अंतिम चार अंग उपगूहन, स्थितिकरण, वात्सल्य, प्रभावना ये पर-सापेक्ष हैं। दूसरों के प्रति करुणा आदि करने से अपना सम्यक्त्व गुण बढ़ता है, इसे सक्रिय सम्यग्दर्शन कहते हैं।
- परस्पर में एक दूसरे का उपकार करना जिन-शासन की उदारता है, इन प्रकल्पों के माध्यम से इस भावना को जन-जन तक पहुंचाना।

60 दिनों में 10 किलो वजन कम करें, फिटनेस कोच के कार्डियो हैक पर विशेषज्ञ ने अपनी राय साझा की

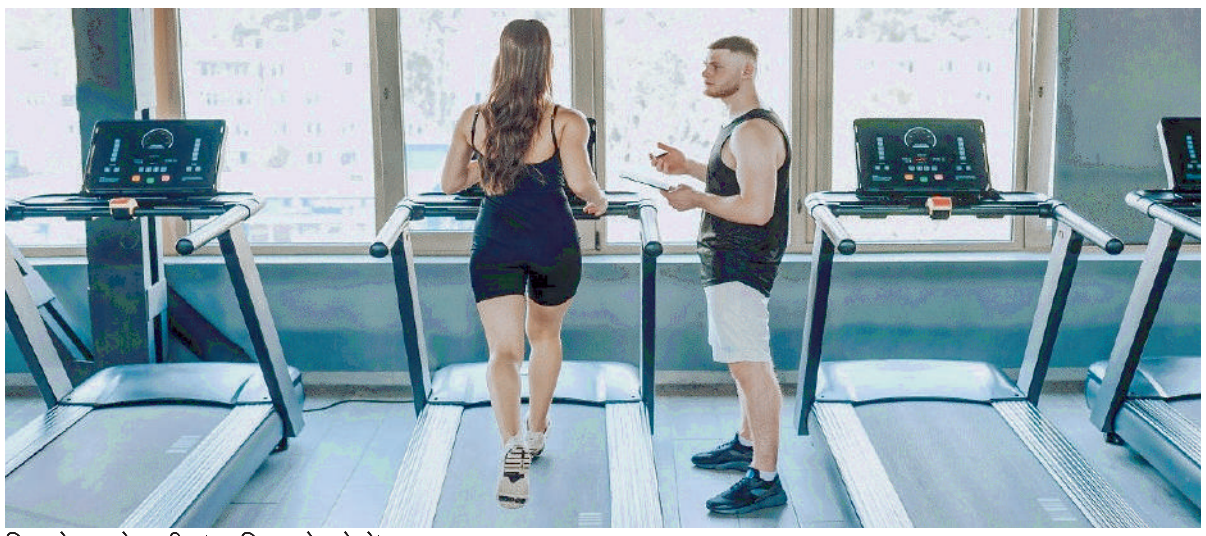

फिटनेस कोच दीक्षा मलिक ने लोगों को ट्रेडमिल पर झुकाव के साथ चलने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि वजन घटाने के लिए 7 के झुकाव और 3.5 की गति पर पांच मिनट तक चलें। फिर 9 के झुकाव और 3.8 की गति पर स्विच करें और पांच मिनट तक चलें।

क्या आप जानते हैं कि आप बिना दौड़े 10 किलो वजन घटा सकते हैं, वो भी सिर्फ़ 60 दिनों में। कैसे? फिटनेस कोच दीक्षा मलिक ने हाल ही में एक हैक शेयर किया है। इस हैक को आजमाकर लोग ट्रेडमिल पर चलकर सिर्फ़ 60 दिनों में 10 किलो वजन घटा सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे?

फिटनेस कोच दीक्षा मलिक ने लोगों को ट्रेडमिल पर झुकाव के साथ चलने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि वजन घटाने के लिए 7 के झुकाव और 3.5 की गति पर पांच मिनट तक चलें। फिर 9 के झुकाव और 3.8 की गति पर स्विच करें और पांच मिनट तक चलें। फिर 11 के झुकाव और 4 की गति पर स्विच करें और पांच मिनट तक चलें। फिर 3.8 की गति पर पांच मिनट के लिए झुकाव को 9 पर लाएं। फिर 12 के झुकाव और 4 की गति पर स्विच करें और पांच मिनट तक चलें। इस कार्डियो हैक के 25 मिनट से आप 19 किलो वजन कम कर सकते हैं।

दीक्षा मलिक का हैक कितना कारगर?

इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में, स्पर्श अस्पताल में कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सतीश एल. ने फिटनेस कोच के इस हैक को प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में वसा घटाने के लिए प्रभावी हो सकता है। यह कैलोरी बर्न करने में मदद करता है और दौड़ने जैसी उच्च प्रभाव वाली गतिविधियों की तुलना में जोड़ों पर कम असर डालता है।

डॉ. सतीश ने कहा, 'झुकाव पर चलने से ग्लूट्स, हैमस्ट्रिंग और पिंडलियों सहित प्रमुख मांसपेशी समूह सक्रिय होते हैं, जो दुबली मांसपेशियों के निर्माण और चयापचय को बढ़ावा देने में सहायता कर सकते हैं। कई लोग इसे धीरे-धीरे वजन घटाने के लिए उपयोगी पाते हैं, लगातार प्रयास और संतुलित आहार के साथ कई हफ्तों में 10 किलो या उससे अधिक वजन घटाने का लक्ष्य रखते हैं।'

हालांकि, डॉक्टर ने लोगों को इस हैक को आजमाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अगर यह आसन ठीक से नहीं किया जाए तो इससे पीठ के निचले हिस्से, घुटनों और टखनों पर दबाव पड़ता है। इसलिए सावधान रहें।

डॉ. सतीश ने कहा, 'शुरुआती लोगों को हल्के ढलान से शुरुआत करनी चाहिए, धीरे-धीरे ताकत और सहनशक्ति बढ़ने के साथ इसे बढ़ाना चाहिए। सही फॉर्म सुनिश्चित करने के लिए ट्रेनर से सलाह लेना ज़रूरी है, साथ ही सपोर्टिव फुटवियर पहनना भी ज़रूरी है। हमेशा अपने शरीर की सुनें और बहुत ज़्यादा ज़ोर लगाने से बचें, क्योंकि ज़्यादा इस्तेमाल से चोट लगने से लंबे समय तक जोड़ों की समस्या हो सकती है।'

प्रयागराज महाकुंभ हादसा

प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। इस सिलसिले में मैंने मुख्यमंत्री योगी जी से बातचीत की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं

: नरेंद्र मोदी

वीवीआईपी ने अंत में 14 की जान ले ही ली प्रयागराज के महाकुंभ में :

आज प्रयागराज का एक वीडियो दिखाई दिया जिसमे श्रद्धालुगण की भीड़ कद कारण एक VIP गाड़ी आगे नहीं बढ़ पा रही थी , क्योंकि उन्हें रोक दिया गया था उनका आक्रोश स्वाभाविक था।

केवल उत्तर प्रदेश में 80 सांसद, 403 विधायक, 100 विधान परिषद सदस्य, 31 राज्यसभा सांसद हैं। हर जिला और मंत्रालय व सविचालय के IAS को गिन लें तो हज़ार का संख्या पार कर जाए, फिर प्रयागराज में CRPF, वायुसेना, आर्मी सबका बेस है उनके बड़े अधिकारी....फिर पूरे देश के सांसद, केंद्र के मंत्री, केंद्र के अधिकारी, दूसरे राज्य के बड़े नेता व अधिकारी, फिल्मी दुनिया के हस्ती, उद्योगपति....इन सबमें से रोजाना कोई न कोई पहुँच रहा है और उनके आगमन पर VIP मूवमेंट के नाम पर बाकी श्रद्धालु व नगरवासियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है इनके लिए कोई बीच का रास्ता निकाला जाए। महाकुंभ का नंबर 1 व्यवस्था के बीच केवल VIP मूवमेंट ही एक खामी है।

सब कुछ सामान्य था या कथित वीवीआईपी जिम्मेदार है इस घटना के लिए !

एलजी के भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ने के बजाय अपनी जिम्मेदारी निभाएं, अगर सक्षम नहीं हैं तो पद छोड़ दें*

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली के पानी के मुद्दे पर भाजपा शासित हरियाणा सरकार का बचाव कर रहे एलजी वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखकर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने लोगों के जीवन से जुड़े पानी के मसले पर राजनीति करने पर एलजी की कड़ी निंदा की है। सीएम ने मांग की है कि एलजी साहब अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाएं या फिर अपना पद छोड़ दें। सीएम आतिशी ने कहा कि एलजी साहब के पत्र में भी स्वीकार किया गया है कि पानी में अमोनिया का स्तर तय सीमा से 700 फीसद ज्यादा है, फिर भी उन्होंने जनहित की सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

सीएम आतिशी ने कहा कि दिल्ली में पानी की गुणवत्ता का मुद्दा बार-बार आम आदमी पार्टी की सरकार और विधायकों ने उठाया है। अरविंद केजरीवाल ने इस मामले में तब दखल दिया, जब दिल्ली के लोगों के लिए साफ पानी देने के हमारी मांग को नजरअंदाज किया गया। अगर एलजी साहब को सच में दिल्ली की जनता की फिक्र होती, तो वह हरियाणा को जिम्मेदार ठहराते और इस संकट को रोकते, लेकिन उन्होंने सच बोलने के लिए हमें निशाना बनाया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एलजी विनय कुमार सक्सेना को लिखे पत्र में कहा है कि यह पत्र 28 जनवरी को आपके कार्यालय से प्राप्त पत्र के जवाब में है। यह बहुत निराशाजनक है, लेकिन यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आपने दिल्ली के पानी में खतरनाक स्तर पर अमोनिया के मुद्दे को सुलझाने के बजाय बिना किसी आधार के आरोप लगाए हैं और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में पूरी तरह से नाकाम रहने और ध्यान भटकाने के लिए झूठा प्रचार किया है।

सीएम ने कहा है कि यह कोई रहस्य की बात नहीं है कि आपने हमेशा राजनीतिक मामलों में अपनी रुचियां बनाए रखी हैं, लेकिन इस गंभीर मामले में, जो जनता की सेहत और सुरक्षा से जुड़ा है, मैंने उम्मीद की थी कि आप राजनीति को एक तरफ रखेंगे। लेकिन आपने अपने राजनीतिक आकाओं के प्रति वफादारी निभाई, भले ही इससे दिल्लीवासियों की जान और सेहत पर असर पड़ा। अगर आपने अरविंद केजरीवाल पर हमले करने के बजाय पानी में अमोनिया के उच्च स्तर के खतरों की जांच करने में अपनी ऊर्जा लगाई होती, तो आपको पता होता कि इस तरह का प्रदूषण गंभीर स्वास्थ्य खतरा पैदा करता है। पानी में अमोनिया का उच्च स्तर शरीर के अंगों को नुकसान पहुंचाता है और विकास संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। खासकर बच्चों और उन लोगों के लिए जिनकी पहले से स्वास्थ्य समस्याएं हैं।

सीएम आतिशी ने कहा है कि आपने अरविंद केजरीवाल के बयान को आपत्तिजनक, दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य कहा है। लेकिन जो वास्तव में आपत्तिजनक और अस्वीकार्य है, वह है इस पानी संकट के प्रति आपकी उपेक्षा। दिल्ली

जल बोर्ड का नियंत्रण आपके पास होते हुए भी आपने इस समस्या को हल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए और न ही जनता के स्वास्थ्य को बचाने के लिए कोई गंभीर प्रयास दिखाए। जो वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है, वह यह है कि आपने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को उन लोगों के हितों से अधिक प्राथमिकता दी, जिनकी सेवा का वादा आपने किया था।

सीएम आतिशी ने आगे कहा है कि आपको याद दिला दूं कि दिल्ली में पानी की गुणवत्ता का मुद्दा आम आदमी पार्टी सरकार, हमारे विधायक और उम्मीदवारों द्वारा बार-बार उठाया गया है। हर एक अपील- चाहे वह आपके कार्यालय को की गई हो या बीजेपी शासित हरियाणा सरकार को की गई हो, उसे जानबूझकर नजर अंदाज किया गया है। अरविंद केजरीवाल ने तब दखल किया, जब हमारी कई कोशिशों के बावजूद दिल्लीवासियों को साफ पेयजल दिलाने में कोई ध्यान नहीं दिया गया। यह कोई राजनीतिक चाल नहीं है, यह दिल्लीवासियों के पीने के साफ पानी मुहैया कराने मौलिक अधिकार के लिए लड़ाई है। एक ऐसी लड़ाई, जिसे आपकी सरकार ने सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ के कारण छोड़ दिया है।

सीएम आतिशी ने कहा है कि आपने हम पर उत्तेजक बयान देने का आरोप लगाया है, लेकिन मैं आपसे एक सवाल पूछती हूं कि क्या यह उत्तेजक नहीं है कि जानबूझकर जहरीला पानी दिल्लीवालों के घरों में दिया जाए? क्या यह जिम्मेदारी से नहीं भागना है कि लाखों लोगों की वास्तविक चिंताओं को नजर अंदाज करते हुए भाजपा-शासित हरियाणा सरकार का बचाव किया जाए? आपकी प्राथमिकताएं साफ़ हैं, आप दिल्ली के लोगों की जान की सुरक्षा के बजाय भाजपा की छवि को बचाने को अधिक महत्व देते हैं। आपके पत्र में संकट की गंभीरता को हल्का दिखाने की कोशिश की गई है, जिसमें दिल्ली जल बोर्ड की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जो सचाई को छिपाने का काम करती है। मैं साफ़ तौर पर कहना चाहती हूँ कि सच को प्रशासनिक बहानों के नीचे दबाया नहीं जा सकता। यमुना में अमोनिया का स्तर समान्य से 700 फीसद से ज्यादा है। यह एक ऐसा तथ्य है जिसे आप नकार नहीं सकते, चाहे आप कितनी भी रिपोर्ट्स क्यों न बदलें। जो आप गलत का बचाव कर रहे हैं, आप दरअसल उन लोगों के साथ धोखा कर रहे हैं, जिनकी सेवा के लिए आप जिम्मेदार हैं।

सीएम आतिशी ने कहा है कि आप की हरियाणा सरकार का लगातार बचाव और दिल्ली के पानी की आपूर्ति में प्रदूषण के खिलाफ आपकी निष्क्रियता एक अहम सवाल उठाती है कि आपकी निष्ठा कहां है? दिल्ली के लोगों के साथ या हरियाणा में आपकी पार्टी की सरकार के साथ है? अगर आपको वाकई दिल्ली के निवासियों की फिक्र होती, तो आप तुरंत कदम उठाते। आप हरियाणा को जिम्मेदार ठहराते और इस संकट को रोकने की कोशिश करते। इसके बजाय, आपने सच बोलने वालों पर हमला करना शुरू कर दिया।

सीएम ने कहा है कि यह संकट राजनीति के बारे में नहीं है; यह लाखों लोगों की जानों के बारे में है। यह एक ऐसा मौका है, जब आप प्रशासनिक भूमिका निभा सकते हैं या दिल्ली के इतिहास में एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किए जाएंगे, जिनके हाथ खून से रंगे होंगे। आखिरी बार जब दिल्ली पर इतना कहर टूटा था, वह 1739 में नादिर शाह के आक्रमण के समय हुआ था, जब उसने दिल्ली में एक भयंकर नरसंहार किया था और दिल्ली को तबाह कर दिया था। अब समय आ गया है कि आप अपनी पार्टी के एजेंडे से ऊपर उठकर पानी के संकट को हल करने के लिए ठोस कदम उठाएं। अखिरकार, आपको अपने राजनीतिक आकाओं के कहने पर नहीं, बल्कि अपनी अंतरात्मा और संविधान के अनुसार रास्ता अपनाना चाहिए।

'सुनिश्चित करें कि कोई भी पार्टी चुनाव में...', वोटिंग से पहले दिल्ली हाईकोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग (Election Commission) को निर्देश दिया कि वह सुनिश्चित करें कि राजनीतिक दल और उनके उम्मीदवार चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी अपमानजनक सामग्री का उपयोग न करें। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने जनहित याचिका पर यह निर्देश पारित किया। पीठ ने याचिकाकर्ताओं की शिकायत पर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा प्रस्तावित कार्रवाई का संज्ञान लेते हुए याचिका का निपटारा कर दिया। अदालत ने कहा कि राज्य चुनाव अधिकारी, मुख्य चुनाव अधिकारी और जिला चुनाव अधिकारी राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों द्वारा प्रसारित किए जा रहे ऐसे संदेशों और विज्ञापन सामग्री की जांच करने के लिए पूरी तरह से सशक्त और कर्तव्यबद्ध हैं।

उचित कार्रवाई की जाएगी

मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली जांच रिपोर्ट के आधार पर, ईसीआई या कानून के तहत किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी, जो कानून के तहत जरूरी होगी।

माहौल खराब न होने दिया जाए

विधान सभा चुनावों पर, पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत ईसीआई का प्राथमिक कर्तव्य स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। इसलिए यह ईसीआई का कर्तव्य है कि वह ऐसे संदेशों के प्रसार को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाए, जिनसे माहौल खराब होने की संभावना न हों।

चुनाव स्थगित करने के अनुरोध पर, अदालत ने कहा कि चुनावों के बीच में ऐसी प्रार्थना को स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि जनहित याचिका में ऐसा कोई आधार उपलब्ध नहीं है।

मुख्य चुनाव अधिकारी की रिपोर्ट प्राप्त होगी

ईसीआई की ओर से पेश अधिवक्ता सिद्धांत कुमार ने दलील दी कि आयोग ने याचिकाकर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लिया और मुख्य चुनाव अधिकारी, दिल्ली को आरोपों की जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ईसीआइ ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें वायस काल सहित राजनीतिक विज्ञापनों को प्रमाणित करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जब भी मुख्य चुनाव अधिकारी की रिपोर्ट प्राप्त होगी, उचित कार्रवाई की जाएगी।

जनहित याचिका तीन अधिवक्तओं की ओर से दायर की गई थी, जिसमें निंदनीय और दूर्भावनापूर्ण सामग्री के प्रसारकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

भाजपा को बड़ा झटका, राजेंद्र नगर विधानसभा से भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य संजीव अरोड़ा "आप" में शामिल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली विधानसभा चुनाव से चंद रोज पहले बुधवार को भाजपा को एक और बड़ा झटका लगा है। राजेंद्र नगर विधानसभा में रहने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता और दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य संजीव अरोड़ा अपनी पूरी टीम के साथ आम आदमी पार्टी पार्टी में शामिल हो गए। वह अरविंद केजरीवाल की काम की राजनीति से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी से जुड़े हैं। पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने पटका और टोपी पहनाकर सभी को सदस्यता दिलाई। इस मौके पर वरिष्ठ नेता और राजेंद्र नगर से प्रत्याशी दुर्गेश पाठक ने संजीव अरोड़ समेत उनकी पूरी टीम का आम आदमी पार्टी परिवार में स्वागत किया।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह और विधायक दुर्गेश पाठक ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता की। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य संजीव अरोड़ा अपनी पूरी टीम के साथ भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं। संजीव अरोड़ा पिछले 25 वर्षों से भाजपा से जुड़े रहे हैं और इस दौरान उन्होंने वहां अलग-अलग पदों पर रहकर काम किया है। वह भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और मीडिया प्रभारी, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, भाजपा जिला करोल बाग के कोषाध्यक्ष व उपाध्यक्ष और भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री रहे हैं। संजीव अरोड़ा करीब 30 साल सामाजिक क्षेत्र में जनसेवा के लिए कार्य कर रहे है। अपनी संस्था 'इंद्रप्रस्थ संजीवनी' के तहत करीब 50 हजार लोगों की टीम के साथ पूरी दिल्ली में समाज सेवा का काम कर रहे हैं। संजीव अरोड़ा केपीएस गिल फाउंडेशन और नारायण विहार, सोशल वेलफेयर सोसाइटी के भी अध्यक्ष हैं। इसके अलावा यह अनेकों महामंडलेश्वर संतों के आशीर्वाद से गंगा पुत्र की उपाधि से सम्मानित हैं। मैं इनका आम आदमी पार्टी में स्वागत करता हूं।

वहीं, "आप" विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि संजीव अरोड़ा राजेंद्र नगर और करोल बाग के इलाके में अपने एनजीओ के माध्यम से पिछले कई सालों से सक्रीय हैं और लोगों की काफी मदद की है। चाहें उन्हें व्हील चेयर देना हो, कोरोना काल के दौरान खाना और दवाइयां बांटना हो। संजीव अरोड़ा पिछले 30-35 सालों से समाज सेवा के लिए काम कर रहे हैं। समाज में इनका काफी नाम है। मैं आम आदमी पार्टी परिवार में इनका स्वागत करता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि इनके आने से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की इस मुहिम को और ताकत मिलेगी।

इस दौरान संजीव अरोड़ा ने कहा कि मैं पिछले 25 सालों से भाजपा से जुड़ा हूं, लेकिन आज उसकी वह विचारधारा नहीं रही जो 25 साल पहले थी। इतने वर्षों से पार्टी की सेवा करने के बाद जिस आधार पर टिकट बांटे गए, जिसमें न सिर्फ मुझे, बल्कि मुझसे भी कई वरिष्ठ लोगों को एक तरफ करके ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया जो अभी हाल ही में पार्टी से जुड़ा। उस उम्मीदवार के बारे में सभी जानते हैं कि वह रात 8 बजे से अगले दिन दोपहर 12 बजे तक किसी से मिलता नहीं है। किसी का फोन नहीं उठाता है। ऐसे व्यक्ति को भाजपा ने पता नहीं क्या सोचकर टिकट दिया है इससे राजेंद्र नगर का हर कार्यकर्ता आहत है। आज दिल्ली में अरविंद केजरीवाल पंडित दीन दयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर चलकर पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति के लिए काम कर रहे हैं। वह दिल्ली के झुग्गीवालों के बारे में सोच रहे हैं। उनके लिए भी योजनाएं बना रहे हैं। कुछ दिन पहले तक भाजपा कहती थी कि केजरीवाल रेवड़ी बांट रहे हैं, लेकिन आज भाजपा क्या कर रही है? हमने पुजारियों के लिए प्रकोष्ठ बनाया और उनके लिए कई काम करने की बात कही थी। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने आगे बढ़कर पुजारियों और ग्रंथियों के लिए 18 हजार रुपए की तनख्वाह घोषित की है। मै विश्वास दिलाता हूं कि आम आदमी पार्टी आने वाले समय में फिर सरकार बनाएगी। हम पूरी मजबूती से आम आदमी पार्टी के साथ खड़े हैं।

कलकत्ता की मशहूर बिरयानी का स्वाद अब दिल्ली में - अरसलान

मुगलई पाक-कला की उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में जाना जानेवाला अरसलान, हाल ही में राजौरी गार्डन में अपने नए आउटलेट के साथ दिल्ली की शोभा बढ़ा रहा है। लाजवाब मुगलई व्यंजन बनाने मेंअपनी महारत के लिए प्रसिद्ध, अरसलान भोजन प्रेमियों केलिए एक मात्र स्थान है जहाँ कलकत्ता का स्वाद अब दिल्ली वालों को मिल सके गा।

मुगलई विरासत को अरसलान ने जन जन तक पहुंचाया 6 अक्टूबर, 2002 को अपनी स्थापना के बाद से, अरसलान को मुगलई व्यंजनों की कला के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के

लिए जाना जाता है। कोलकाता में बारह संपन्न आउटलेट और दबई में एक सफल अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति के साथ, दिल्ली में उद्घाटन इसकी शानदार यात्रा में एक नया अध्याय है। अरसलान का मेनू मुगलई व्यंजनों की भव्यता के लिए एक पाक श्रद्धांजलि है, जो उन व्यंजनों को एक साथ लाता है जो कभी सम्राटों के लिए आरक्षित थे। अरसलान की प्रतिष्ठित चिकन बिरयानी और मटन बिरयानी का आनंद लें, जिनमें सुगंधित

मसाले डाले गए हैं और जिन्हें पूरी तरह से धीमी आंच पर पकाया गया है। मेनू में शाही कबाब और रसीली करी की एक श्रृंखला भी है, जो मुगल साम्राज्य के स्वाद को दर्शाती है। हर व्यंजन पाक परंपराओं के प्रति गहरा सम्मान दर्शाता है, जिसे मसालों, ताज़ी सामग्री और सदियों पुरानी तकनीकों के गुप्त मिश्रण से तैयार किया जाता है।

अरसलान के सीईओ रागिब परवेज़ कहते हैं, ₹हम दिल्ली के खाने के शौकीनों के लिए अरसलान को लाने के लिए

रोमांचित हैं। दिल्ली में प्रामाणिक, शाही स्वादों की गहरी सराहना है, और हम राजधानी के साथ मुगलई विरासत का स्वाद साझा करनेके लिए उत्साहित हैं। हमारी खास बिरयानी से लेकर शाही कबाब और स्वादिष्ट करी तक, हर व्यंजन मुगलई

राजसीपन को समर्पित है - जिसे प्यार, परंपरा और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ तैयार किया गया है।"

दिल्ली में अरसलान का अनुभव

मुगलई व्यंजनों की भव्यता को दर्शाने के लिए डिज़ाइन किया गया, अरसलान का दिल्ली आउटलेट एक ऐसा माहौल प्रदान करता है जो शाही परंपरा को आधुनिक विलासिता के साथ पूरी तरह से जोड़ता है। चाहे वह पारिवारिक समारोह हो, कोई अंतरंग उत्सव हो, या अकेले में मौज-मस्ती करना हो, यह रेस्टोरेंट एक अविस्मरणीय भोजन अनुभव का वादा करता है।

₹हमारी यात्रा मुगलई व्यंजनों के कालातीत स्वादों को बड़े दर्शकों तक पहुँचाने के दृष्टिकोण से शुरू हुई। हमारे संरक्षकों से हमें जो अपार प्यार मिला है, वह हमारे विस्तार के पीछे प्रेरक शक्ति है,₹ परवेज़ कहते हैं। ₹दिल्ली मेंइस लॉन्च के साथ, हम अपनी विरासत को जारी रखनेऔर मुगलई परंपरा के शाही स्वाद की सराहना करने वाले खाद्य उत्साही लोगों के साथ नए संबंध बनाने के लिए तत्पर हैं।"

'पहले यमुना जी का पानी पीकर दिखाओ, फिर मैं अस्पताल में मिलूंगा', राहुल गांधी ने केजरीवाल को दिया खुला चैलेंज

राहुल गांधी का अरविंद केजरीवाल पर हमला राहुल गांधी ने आज बवाना में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल को यमुना का पानी पीने की चुनौती दी है। राहुल ने केजरीवाल पर भ्रष्टाचार और कुशासन के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में सबसे बड़ा घोटाला शराब घोटाला किया है। उन्होंने कहा कि मोदी और केजरीवाल दोनों ही आरक्षण के खिलाफ हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव प्रचार के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज बवाना में जनसभा करने पहुंचे। राहुल गांधी के निशाने पर भाजपा के साथ ही आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल थे। राहुल ने दोनों पर हमला करते हुए कहा कि पानी की समस्या है यहां। पीने का पानी नहीं मिलता है। गंदा पानी मिलता है। महंगा पानी खरीदना पड़ता है। मोदी जी ने आरएसएस ने नफरत फैलाने का काम किया है।

जहां भी जाते हैं धर्म को धर्म से जाति को जाति से लड़ाते हैं। एक भाषा को दूसरी भाषा से लड़ाते हैं। आपका धन अंबानी-अडानी जैसे अबपतियों को पकड़ा देते हैं। मोदी सरकार ने बीस-पच्चीस अरबपतियों का सोलह लाख करोड़ रुपया कर्ज माफ किया। आप अपने बच्चों को निजी कॉलेज-विविद्यालय में भेजते हो। बीमार होते हो। प्राइवेट अस्पताल भेजते हो। जितना आप जीएसटी देते हो उतना ही अंबानी-अडानी देते हैं।

'नोटबंदी-जीएसटी के कारण छोटे दुकानदारों और छोटे बिजनेस बंद'

राहुल ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक शर्ट खरीदो वही शर्ट अडानी खरीदेगा। उतना ही जीएसटी देगा। पहले पब्लिक स्टेकर होता है। गरीब लोगों की जगह होती थी। रोजगार मिलता था। सब बंद हो गया। निजीकरण हो गया। नोटबंदी और जीएसटी के साथ छोटे दुकानदारों और छोटे बिजनेस को बंद कर दिया।

भारत के युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता है। मोदी और केजरीवाल सरकार में रोजगार नहीं मिल सकता है। लाखों रुपये खर्च करके कॉलेज की डिग्री लेते हैं। डॉक्टर और इंजीनियर का सर्टिफिकेट मिलता है लेकिन रोजगार नहीं मिलता है। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुली का काम करने वाले युवा ने बताया कि लाखों रुपये देकर सिविल इंजीनियर की डिग्री ली है और कुली का काम करना पड़ रहा है।

दिल्ली में केजरीवाल ने सबसे बड़ा घोटाला किया-राहुल गांधी

कांग्रेस नेता ने AAP संयोजक पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल ने लंबे भाषण किए। पहले छोटी गाड़ी में घूमते थे। मफलर लिए घमते थे। बिजली के खंबे पर चढ़ जाते थे। कहा था कि साफ राजनीति लाऊंगा।

उसके बाद दिल्ली में सबसे बड़ा घोटाला शराब घोटाला। करोड़ों रुपये का घोटाला किया। उनकी पार्टी और उनके लोगों ने किया है। भ्रष्ट सरकार चलाई है। मोदी जी झूठे बयान देते हैं। हर मीटिंग में झूठ बोलते हैं। वैसे ही केजरीवाल काम करते हैं।

पांच साल पहले केजरीवाल ने कहा था कि यमुना में स्नान करूंगा और यमुना जी का पानी पिऊंगा। पांच साल हो गए। आज तक केजरीवाल ने यमुना का पानी नहीं पिया है। आपको गंदा पानी पीना पड़ता है, लेकिन केजरीवाल जी शीशमहल में रहते हैं। करोड़ों रुपये के मकान में रहते हैं। साफ-सुथरा पानी पीते हैं और आपको झूठे बयान करते हैं।

राहुल गांधी ने आरक्षण को लेकर केजरीवाल से पूछे सवाल

लोकसभा में मैंने कहा कि पंद्रह फीसदी दलित, पचास फीसदी पिछड़े, पंद्रह फीसदी अल्पसंख्यक और आठ फीसदी आदिवासी की आबादी है। जाति जनगणना कराएं और पता लगाएं कि कितनी आबादी है और कितनी हिस्सेदारी है। मोदी जी ने जाति जनगणना नहीं की गई। हमने कहा कि हम करके दिखाएंगे। दिल्ली में सरकार आएगी तो हम कर दिखाएंगे। दूध का दूध और पानी का पानी होगा।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि केजरीवाल (Arvind Kejriwal) से पूछना चाहता हूं कि पचास फीसदी की आरक्षण की जो दीवार बना रखी है, मैंने कहा कि इस पचास फीसदी की दीवार को तोड़ देंगे। इससे ज्यादा बढ़ा देंगे। केजरीवाल जी आप साफ बता दो कि आप आरक्षण को पचास फीसदी से ज्यादा करना चाहते हो या नहीं। केजरीवाल और मोदी दोनों ही आरक्षण के खिलाफ हैं। दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी के खिलाफ हैं।

जब अल्पसंख्यकों पर आक्रमण होता है तो केजरीवाल जी कहां थे। क्या केजरीवाल जी आपके साथ खड़े हुए। आपके लिए लड़े। बिल्कुल नहीं। केजरीवाल गरीबों, आरक्षण, दलितों के खिलाफ हैं।

'मोदी जी के नफरत के बाजार में हमें मोहब्बत की दुकान खोलनी है'

दो विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी और संविधान है। हमारा मानना है कि सभी लोग समान हैं। हर धर्म और जाति का सम्मान होना चाहिए। मोदी जी के नफरत के बाजार में हमें मोहब्बत की दुकान खोलनी है। मोदी से कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी (Rahul Gandhi) नहीं डरते हैं। उल्टा नरेंद्र मोदी जी हमसे डरते हैं।

हम संविधान को बचाने क काम करते हैं। संविधान में साफ लिखा है कि सबकी रिस्पेक्ट होनी चाहिए। आरक्षण मिलना चाहिए। अरबपतियों की सरकार नहीं होनी चाहिए। मोदी जी आरक्षण के खिलाफ, संविधान के खिलाफ काम रते हैं। मुकाबला कांग्रेस पार्टी देती है।

'आज आप जाकर यमुना का पानी पी लीजिए'

कांग्रेस पार्टी (Delhi Congress) के नेता कन्याकुमारी से कश्मीर तक चले। चार हजार किलोमीटर। चले। देश को हमने बोला कि यह देश नफरत का देश नहीं है। नफरत मोदी फैलाते हैं। इस देश के दिल में नफरत नहीं है। यह मोहब्बत का देश है। भाईचारे का देश है। डरने की कोई जरूरत नहीं है। हिन्दुस्तान में किसी को डर नहीं लगना चाहिए। जहां भी भाजपा के लोग नफरत फैलाते हैं वहां पर आपको कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी व अन्य लोग नेता मिलेंगे जो नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलेंगे।

हम रोजगार विकास, प्रगति की बात करते हैं। शीला जी के समय में सड़कें बनी, विकास हुआ, हम झूठे वायदे नहीं करते थे। केजरीवाल और मोदी दोनों ही चौबीस घंटा झूठे वायदे करते हैं। केजरीवाल ने कहा था कि यमुना का पानी पियूंगा। मैं चुनौती देता हूं केजरीवाल जी जो आपने कहा था जो वायदा किया था, कि यमुना को साफ करूंगा और पानी पियूंगा। मैं चुनौती देता हूं कि आज आप जाकर यमुना का पानी पी लीजिए। आप दिल्ली की जनता को यमुना का गंदा पानी पिलाते हो। आपको चुनौती देता हूं। उसके बाद अस्पताल में मिलूंगा।

नोएडा में 640 मीटर लंबे फ्लाईओवर की परियोजना रद, अब लोगों को कैसे मिलेगी जाम के झाम से राहत?

नोएडा में अब यातायात जाम खत्म करने के लिए एफएनजी पर तीन लेन सड़क सड़क बनाने के लिए छिजारसी कट से गोलचक्कर तक आठ मीटर चौड़ाई सड़क दोनों तरफ बढ़ाई जाएगी दो मीटर चौड़ा फुटपाथ अतिरिक्त तैयार होगा। नोएडा ट्रैफिक सेल की ओर से सर्वे कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग सड़क चौड़ाई बढ़ाने के लिए काम करेगा।

नोएडा। नेशनल हाईवे नंबर-9 की तरफ से छिजारसी के रास्ते फरीदाबाद नोएडा गाजियाबाद (एफएनजी) पर आने जाने वाले लोगों को यातायात जाम से निजात दिलाने के लिए अब छिजारसी के आसपास सड़क चौड़ीकरण करने की तैयारी है।

पहले एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाना का था प्लान

पहले यहां एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाने की योजना थी, लेकिन अब यह परियोजना नोएडा प्राधिकरण में रद हो गई है। बता दें कि छिजारसी के आसपास अतिक्रमण का मकड़जाल है, इसे हटाकर तब सड़क चौड़ीकरण का काम किया जाएगा।

इसके लिए नोएडा प्राधिकरण का नोएडा ट्रैफिक सेल सर्वे करा रहा है, छिजारसी के आसपास कितनी और किस प्रकार से सड़क चौडीकरण को किया जा सके, जिससे वाहनों का आवागमन तेज हो और पैदल पथ यात्रियों को भी सड़क से फुटपाथ पर चलाया जाए।

अभी सड़क पर अतिक्रमण के चलते लगता है जाम

ऐसे में अब तक सर्वे में निकल कर सामने आया है कि नेशनल हाइवे नंबर 9 स्थित छिजारसी कट से छिजारसी गोलचक्कर तक करीब 640 मीटर सड़क के दोनों ओर करीब आठ मीटर चौड़ा किया जाएगा, जिससे इस रास्ते तीन लेन की सड़क को विकसित किया जा सके।

साथ ही दो मीटर चौड़ा फुटपाथ बनाया जाए, क्योंकि वर्तमान में इस रास्ते पर डेढ़ लेन की सड़क है, जिस पर आसपास संचालित होने वाले व्यापारिक प्रतिष्ठान का अतिक्रमण है। इसलिए आठ मीटर सड़क चौड़ी कर करीब 11 मीटर पर तीन लेन संचालित होगी, दो मीटर का फुटपाथ बनेगा।

फुटपाथ व सड़क पर व्यापारिक प्रतिष्ठान वाले अतिक्रमण न करे। इसलिए फुपाथ किनारे बोलार्ड के जरिये बैरिकेडिंग की जाएगी। इससे सिर्फ पैदल चलने वाले ही इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।

नोएडा प्राधिकरण देगा खर्चा

इस दौरान जिन लोगों ने अपना मकान, दुकान, होटल, अस्पताल, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान को बढ़ाकर सड़क तक कर लिया है, उनको तोड़ा कर पीछे की ओर समेट जाएगा, क्योंकि यह जमीन उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की है, जिस पर लोगों ने जबरन कब्जा कर अतिक्रमण फैला रखा है। सड़क चौड़ीकरण का काम सिंचाई विभाग की ओर से किया जाएगा, जिस पर आने वाला खर्च नोएडा प्राधिकरण वहन करेगा।

काम में तेजी लाने के लिए प्राधिकरण में सर्वे करने वाली कंसल्टेंट कंपनी को निर्देश जारी कर दिए हैं, जल्द सड़क की कार्ययोजना तैयार कर संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, जिससे उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग से अनुबंध कर समय से टेंडर प्रक्रिया को पूरा कराया जा सके। जाम मे फंसने वाले लोगों को आने-जाने में सहूलियत उपलब्ध कराई जा सके।

ई-रिक्शा व आटो स्टैंड पहले से किया गया चिह्नित

छिजारसी पर ऑटो व ई-रिक्शा के कारण लगने वाले जाम को लेकर पहले से ही स्टैंड का स्थान चिह्नित किया जा चुका है, जिसको तैयार करने की जिम्मेदारी नोएडा ट्रैफिक सेल को दी जा चुकी है। इस व्यवस्था से यातायात जाम पर कुछ हद तक अंकुश लगाया जा सकेगा।

पुलिस ने तीन बांग्लादेशियों को पकड़ा, ₹8000 में बनवाए थे फर्जी आधार कार्ड

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। मानेसर थाना पुलिस ने रविवार रात तीन बांग्लादेशियों को पकड़ा है। उनके पास से बंगाल के आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। इनसे पूछताछ में पता चला कि इन्होंने 8000 रुपये में फर्जी आधार कार्ड बनवाए थे। तीनों भाई-बहन हैं। डेढ़ साल पहले भारत आए थे यह पहले महाराष्ट्र में रहे। डेढ़ महीने पहले ही यह गुरुग्राम आए और मानेसर में एक किराए के मकान में रह रहे थे।

गृह मंत्रालय को भी भेजी गई रिपोर्ट

यहां पर एक युवती स्पा में काम कर रही थी। रविवार शाम मानेसर चौराहे पर घूमते हुए इस युवती की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने युवती को पकड़कर जब पूछताछ की तो उसकी पहचान उजागर हुई। उसके बाद उसकी एक बहन और भाई को भी पुलिस ने पकड़ा लिया। फिलहाल थाने में तीनों से पूछताछ चल रही है। इसकी जानकारी जिला प्रशासन और गृह मंत्रालय को भी भेजी गई है।

सोहना में लूट की साजिश रचते तीन आरोपित गिरफ्तार

उधर, एक अन्य मामले में सोहना क्राइम ब्रांच की टीम ने शनिवार रात ओल्ड सोहना अलवर रोड पर रेलवे ब्रिज के नीचे खड़े तीन आरोपितों को लूट की साजिश रचते हुए गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से अवैध हथियार भी बरामद किए गए।

क्राइम ब्रांच प्रभारी सब इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश ने बताया कि टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन लोग लूटपाट के इरादे से खड़े हैं। इस पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

तीनों आरोपितों को धर दबोचा गया। इनकी पहचान नूंह के खरखड़ी गांव निवासी शाहिद, घासेड़ा गांव निवासी इरफान, बिहार के किशनगंज निवासी मो. परवेज के रूप में की गई। इनके पास से एक अवैध पिस्टल, कारतूस, डंडा, दो बाइक व एक टार्च बरामद की गई। आरोपितों से पूछताछ के बाद इनके खिलाफ सोहना शहर थाने में केस दर्ज किया गया।

सोहना क्षेत्र से की थी चोरी

पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपितों के कब्जे से बरामद की बाइक में से एक बाइक मो. परवेज ने सोहना क्षेत्र से तथा एक बाइक परवेज व इरफान ने मिलकर सोहना क्षेत्र से चोरी की थी। शाहिद ने मध्यप्रदेश से चोरी की एक वारदात तथा गुरुग्राम से चोरी की एक वारदात का अंजाम देने की जानकारी दी। शाहिद पर चोरी के संबंध में एक केस नूंह व शस्त्र अधिनियम के तहत एक केस गुरुग्राम में दर्ज हैं। तीनों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

इंदिरापुरम में आज से तीन दिन तक चलेगा बुलडोजर, भारी संख्या में पुलिस की रहेगी तैनाती

गाजियाबाद के इंदिरापुरम को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम ने बुधवार से अभियान शुरू कर दिया है। तीन दिनों तक चलने वाले इस अभियान में निर्माण स्वास्थ्य उद्यान और जोनल प्रभारी की टीम शामिल है। यह अभियान हर दिन दोपहर दो से पांच तक चलेगा। नगर निगम के अधिकारी ने कहा है कि इस अभियान के दौरान भारी पुलिस बल भी मौजूद रहेगा।

गाजियाबाद। इंदिरापुरम को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम आज से अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक के निर्देश पर टीम का गठन किया गया है।

अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने मंगलवार को टीम के साथ बैठक कर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस बल मौजूद रहेगा।

तीन दिनों तक चलेगा अभियान

अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार ने बताया कि तीन दिन चलने वाले अभियान के लिए निर्माण, स्वास्थ्य, उद्यान और जोनल प्रभारी की टीम को शामिल किया गया है।

इंदिरापुरम से अतिक्रमण हटाने को लेकर निर्माण स्वास्थ्य तथा जोनल प्रभारियों से संयुक्त बैठक करते अपर नगर आयुक्त अरुण यादव। सौ. नगर निगम

इंदिरापुरम से अतिक्रमण (bulldozer Action) की शिकायत प्राप्त हो रही थीं, इनका संज्ञान लेते हुए 29 से 31 जनवरी तक तीन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

इंदिरापुरम के मुख्य मार्गो से रेहड़ी-पटरी, सरकारी भूमि पर कब्जा, ग्रीन बेल्ट पार्कों से कब्जा हटाया जाएगा। हर दिन दोपहर दो से पांच तक अभियान चलेगा। क्षेत्र में खड़े बेतरतीब वाहनों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

समस्या को लेकर निगम के खिलाफ लोगों ने किया था प्रदर्शन

वहीं पर दूसरे मामले में इंदिरापुरम के न्याय खंड-एक की करीब पांच हजार की आबादी पिछले तीन महीने से सीवर ओवरफ्लो की समस्या से परेशान है। स्थानीय लोगों ने हाल ही में नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन भी किया था। उनका कहना है कि तीन महीने से सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम समस्या से निजात नहीं दिला पा रहा है।

सड़कों पर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है व लोगों का घरों से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। न्याय खंड-एक की ईडब्ल्यूएस कालोनी में लगभग पांच हजार लोग रहते हैं। स्थानीय निवासी कुलदीप सक्सेना व अजीत कुमार ने बताया कि जब से यह इलाका इंदिरापुरम नगर निगम के अंतर्गत आया है, समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।

सीवर लाइन कई महीनों से साफ नहीं की गई है। इसके चलते वह चोक हो चुकी है। सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे बदबू व गंदगी फैल गई है। घरों में रहना तक मुश्किल हो गया है। पानी के जमाव के चलते सड़कों की हालत खराब हो चुकी है व वाहन चालकों के चोटिल होने का खतरा बढ़ गया है।

डेटिंग एप पर बनी दोस्त ने मिलने के लिए रखी शेयर ट्रेडिंग की शर्त, युवक से की 12.60 लाख की साइबर ठगी

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में एक युवक डेटिंग एप के जरिए साइबर ठगी का शिकार हो गया। युवती ने उसे ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 12.60 लाख रुपये ठग लिए। साइबर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। युवक ने लड़की की बातों में आकर उसके बताए खाते में 12.60 लाख रुपये शेयर ट्रेडिंग के लिए भेज दिए। इसके बाद युवती ने उससे बात करना बंद कर दिया।

साहिबाबाद। डेटिंग एप के माध्यम से एक युवती के संपर्क में आए युवक से ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 12.60 लाख रुपये की साइबर ठगी की गई। इस मामले में शिकायत पर साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कैसे ठगों के झांसे में आया युवक?

क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित गौर ग्लोबल विलेज सोसायटी में रहने वाले अलंकार जौहरी ने पुलिस को बताया कि अमोर नाम की डेटिंग एप पर उनका अकाउंट है। अगस्त 2024 में इस डेटिंग एप के माध्यम से वह एक आदविका नाम की युवती के संपर्क में आए, उस युवती ने अपना असली नाम साक्षी गौड़ा बताया और टेलीग्राम एप पर संपर्क करने को कहा।

टेलीग्राम एप से संपर्क करने पर युवती ने अलंकार को स्प्रीडेक्स ग्लोबल नाम की वेबसाइट पर अकाउंट बनाकर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग करने को कहा, इसमें मुनाफा होने का लालच दिया। उसने यह भी कहा कि ऐसा करने पर वह अलंकार से मिलेगी और उसके साथ समय व्यतीत करेगी।

लड़की बातों में आकर खाते में भेज दिए 12.60 लाख रुपये

अलंकार उसकी बातों में आ गए और 12.60 लाख रुपये युवती द्वारा बताए गए खाते में शेयर ट्रेडिंग के लिए भेज दिए। इसके बाद जब युवती से मिलने को कहा तो युवती ने उनसे और रुपये जमा करने को कहा, रुपये न जमा करने पर उसने बात करना बंद कर दिया। इसके बाद पीड़ति अलंकार को साइबर ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जमीन दिलाने के नाम पर 14 लाख ठगे

उधर, एक अन्य मामले में भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव तलहैटा व पलौता में चार बीघा जमीन दिलाने के नाम पर 14 लाख की ठगी की गई है। केस दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही है। गांव पलौता के किसानर महेश कुमार के मुताबिक, उन्हें 2018 में जमीन खरीदनी थी। इस बीच उनके संपर्क में एक व्यक्ति आया। उसने उन्हें पलौता व तलहैटा में चार बीघा जमीन दिखा कहा कि ये सस्ते दाम में मिल जाएगी।

लोकेशन अच्छी देख महेश ने जमीन खरीदने पर सहमति दे दी। उनके बीच 10 लाख प्रति बीघा के हिसाब से जमीन का सौदा हो गया। रकम मिलने के कुछ ही दिन बाद बैनामा कराने पर सहमति बनी। झांसे में आकर महेश ने अलग-अलग किस्तों में आरोपित को 14 लाख रुपये दे दिए, पर अब तक बैनामा नहीं किया गया है। कई बार कहने पर भी आरोपित उन्हें लगातार टरका रहा हैं।

परेशान आकर कुछ दिन पहले रुपये मांगे तो आरोपित ने उन्हें परिवार समेत हत्या की धमकी दी। उन्होंने भोजपुर थाने में शिकायत दी, पर कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस कमिश्नर से गुहार पर उनके आदेश पर अब भोजपुर पुलिस ने केस दर्ज किया। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि केस दर्ज है। जल्द आरोपित की गिरफ्तारी होगी।

दिल्ली की चुनावी लड़ाई-वादों में रेवड़ियों की भरमार छाई-टैक्स पेयर्स द्वारा पेड टैक्स की मज़ाक उड़ाई

चुनावी रेवड़ियों को अब मतदाताओं को प्रलोभन(रिश्वत) के रूप में देखा जा रहा है

रेवड़ी कल्चर से मिशन आत्मनिर्भर भारत को पूर्ण करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अगर हम एवरेज लगाएं तो प्रतिमाह से भी कम समय में अनेक क्षेत्रों में चुनाव होते रहते हैं जैसे लोकसभा राज्यसभा विधानसभा विधान परिषद जिला परिषद स्थानीय निकायों पंचायत समिति चुनाव सहित अनेक ऐसे संस्थानों के चुनाव होते ही रहते हैं इसीलिए ही वन नेशन वन इलेक्शन बिल शायद बजट सत्र में लाया जा सकता है। भारत में एक समय था जब मतदाता इलेक्शन को लोकतंत्र के मंदिर के प्रतिनिधि के रूप में पूजनीय समझकर चुनते थे, हालांकि आज भी ऐसा है परंतु करीब एक दशक से चुनावी मौसम को रेवड़ियों की सौगातो का मौसम कहां जाने लगा है क्योंकि सरकार चाहे किसी की भी हो विपक्ष चाहे कोई भी हो वह चुनाव जीतने की निश्चितता चाहता है, जिसके लिए वह सीधे से नहीं बल्कि पर्दे के पीछे से मतदाताओं को रेवड़यों रूपी रिश्वत का प्रलोभन देकर अपनीं जीत सुनिश्चित करते हैं। यह मैंने महाराष्ट्र के चुनाव में भी देखा कि किस तरह लाडली बहन योजना में 1500 रूपए प्रतिमाह बहनों को देने वाले प्लान ने बाजी पलट कर रख दी, व भारी मतों के अंतर से चुनाव को जीता गया, अगर इस योजना के लाभार्थियों की स्क्रुटनिंग की जाए तो मेरा मानना है कि आधे से अधिक ऐसे निकलेंगे जो इस प्लान के पात्र ही नहीं है परंतु इन चीजों को नजर अंदाज किया गया व अभी भी किया जा रहा है। इस विषय पर चर्चा हम आज इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिल्ली में 70 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव 5 फरवरी 2025 को हो रहे हैं, व इसका रिजल्ट 8 फरवरी 2025 को आएगा, जिसमें सभी पार्टियों द्वारा भारी मात्रा में रेवड़ियों की बातें व वादे किए जा रहे हैं।अगर हर व्यक्ति को ऐसी ही रेवड़ियां प्रतिमाह मिलेगी तो वह आलसी हो जाएगा और कौशलता शिक्षा ग्रहण कर विशेषज्ञ होने के बाद भी वह काम नहीं करेगा, क्योंकि रेवड़ियों के रूप में उसे इतनी रकम मिल जाएगी तो उसका भरण पोषण पालन हो जाएगा, फिर वह काम क्यों करेगा? जिसका सीधा-सीधा असर हमारे मिशन आत्मनिर्भर पर पड़ेगा जो रेखांकित करने वाली बात है। चूंकि चुनावी रेवड़ियों को अब मतदाताओं को रिश्वत के रूप में देखा जा रहा है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से हम चर्चा करेंगे रेवड़ी कल्चर से मिशन आत्मनिर्भर भारत को पूर्ण करने में भारी कठिनाइयों का सामना पड़ सकता है। दिल्ली की चुनावी लड़ाई, वादों और रेवड़ियों की भारी भरमार छाई टैक्सपेयर्स द्वारा पेड़ टैक्स की मजाक उड़ाई।

साथियों बात अगर हम दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 की करें तो, दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। राजनीतिक दल के एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं ।बीजेपी ने दिल्ली में अपने कई पूर्वांचली स्टार प्रचारकों को लोगों के बीच उतारा है। वहीं आम आदमी पार्टी ने 15 गारंटियों वाला घोषणा पत्र जारी किया है। इधर कांग्रेस भी दिल्ली में खोई अपनी जमीन को वापस पाने की कोशिश में जुटी है ।दिल्ली के सियासी दंगल में यमुना के पानी की एंट्री हो चुकी है, आम आदमी पार्टी का आरोप है कि यमुना में बढ़ा अमोनिया का स्तर हरियाणा की देन है, इस मामले में गृह मंत्री ने केजरीवाल और उनकी पार्टी की सरकार पर हमला बोला है, उन्होंने कहा कि केजरीवाल का नया आरोप है मैंने आज केजरीवाल से सार्वजनिक तौर पर सवाल पूछा है कि भाजपा सरकार ने जहर मिलाया पानी में ऐसी आपके पास रिपोर्ट है क्या? किस प्रकार का जहर है, वो रिपोर्ट सार्वजनिक करें, अगर हरियाणा ने पानी रोका था तो बताएं, पानी बंद करेंगे तो हरियाणा में गांव के गांव डूब जाएंगे, ये तीन चीजें उनको स्पष्ट करनी चाहिए ।चुनाव आयोग ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के संयोजक द्वारा जो आरोप लगाया है, उस पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें नोटिस जारी किया है। आयोग ने उन्हें 29 जनवरी की शाम आठ बजे तक अपने आरोप को प्रमाणित करने को कहा है। अगर ऐसा नहीं है तो उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगीआयोग ने यह क़दम शिकायत के बाद उठाया है।

साथियों बात अगर हम आम आदमी पार्टी द्वारा जारी घोषणा पत्र की करें तो, आप द्वारा जारी 15 गारंटीयाँ तथा 5 बातें--(1) रोजगार की गारंटी- युवाओं को कैसे रोजगार मिले इसकी प्लानिंग की जाएगी। (2) महिला सम्मान योजना के तहत हर महिला को 2100 रुपये बैंक अकाउंट में मिलेंगे। (3) संजीवनी योजना- 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों को फ्री इलाज मिलेगा। (4) पानी के बिल माफ, जो बिल भेजे गए हैं वो भरने की जरूरत नहीं। (5) हर घर में 24 घंटे साफ पानी। (6) यमुना की सफाई- केजरीवाल ने कहा कि हमारे पास फंड और पूरा प्लान है। (7) दिल्ली की सड़कों को यूरोपियन लेवल का बनाने का वादा। (8) डॉ. अंबेडकर स्कॉलरशिप

योजना - दलित बच्चों को विदेश की यूनिवर्सिटी में एडमिशन पर सारा खर्च दिल्ली सरकार देगी। (9) कॉलेज छात्रों को फ्री बस की सुविधा और दिल्ली मेट्रो में 50 फीसदी छूट मिलेगी। (10) पुजारी और ग्रंथियों हर महीने 18-18 हजार रुपये मिलेंगे। (11) किराएदारों को भी फ्री बिजली-पानी की सुविधा मिलेगी। (12) जहां भी सीवर ब्लॉक है उसको 15 दिनों में साफ किया जाएगा और पुराने सीवर को साल डेढ़ साल में बदला जाएगा (13) दिल्ली में नए राशन कार्ड बनाए जाएंगे (14) ऑटो-टैक्सी -ई-रिक्शा वालों की बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपये, बच्चों को फ्री कोचिंग और इंश्योरेंस का लाभ मिलेगा ।(15) आरडब्लूए को प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड रखने के लिए पैसे दिए जाएंगे। 5 बातें--(1) ईमानदार मानते हो तो वोट दो, वरना रहने दो (2) फिर से मुख्यमंत्री बनाना है तो अग्निपरीक्षा में पास करो (3) समझो सभी 70 सीटों पर केजरीवाल ही लड़ रहा है (4) बीजेपी को वोट दिए तो बच्चे कभी माफ नहीं करेंगे (5) बेटा मानते हो तो वोट दो, वरना बीजेपी का बटन दबा दो।

साथियों बात अगर हम भाजपा द्वारा तीन चरणों में जारी संकल्प पत्र की करें तो, संकल्प पत्र-1- (1) वरिष्ठ नागरिकों के लिए 2,500 रुपये पेंशन। (2) महिलाओं को 3,500 रुपये की सम्मान राशि (3) विधानसभा चुनाव जीतने पर 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर ।(4)विधवाओं, बेसहारा महिलाओं की पेंशन 2,500 से बढ़ाकर 3,000 रूपए (5) मातृ सुरक्षा वंदना को और ताकत देने के लिए 6 पोषण किट और हर गर्भवती महिला को 21,000 रुपये दिए जाएंगे। संकल्प पत्र-2-- (1) सरकारी शिक्षण संस्थानों में जरूरतमंद छात्रों को 'केजी' से 'पीजी' तक मुफ्त शिक्षा का वादा किया। (2)युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 15 हजार की वित्तीय सहायता और 2 बार के यात्रा और आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति (3) तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को 'डॉ. बीआर अंबेडकर स्टाइपेंड योजना' के तहत 1 हजार रुपये प्रति माह का स्टाइपेंड (4) ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए वेलफेयर बोर्ड, 10 लाख का जीवन बीमा, 5 लाख का दुर्घटना बीमा एवं वाहन बीमा और उनके बच्चों के लिए स्कॉलरशिप (5) घरेलू कामगारों के लिए वेलफेयर बोर्ड, 10 लाख का जीवन बीमा, 5 लाख का दुर्घटना बीमा, उनके बच्चों के लिए स्कॉलरशिप और 6 महीने की पेड मैटरनिटी लीव। पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों की संख्या दोगुनी होगी। संकल्प पत्र-3--(1) पार्टी के सत्ता में आने पर 1,700 अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को संपत्तियों का पूर्ण मालिकाना हक मिलेगा, जिससे बिक्री, खरीद और निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा ।(2) गिग वर्कर्स और मजदूरों के लिए कई नई योजनाओं और कल्याणकारी उपाय, गिग वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड' बनाएगी और 10 लाख रुपये का बीमा और 5 लाख रुपये का दुर्घटना कवर देगी। (3) पारदर्शी तरीके से 50,000 सरकारी पदों को भरने, स्वरोजगार के 20 लाख अवसर पैदा करने और एक भव्य महाभारत कॉरिडोर विकसित करने का वादा (4) दिल्ली में सड़कें बनाने पर 41,000 करोड़ रुपये, रेलवे लाइन बिछाने पर 15,000 करोड़ रुपये और हवाई अड्डों पर 21,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। (5) नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड योजना के तहत जरूरतमंद छात्रों को दिल्ली मेट्रो में सालाना 4,000 रुपये तक की मुफ्त यात्रा का भी वादा किया गया है।

साथियों बात अगर हम बात अगर हम कांग्रेस द्वारा जारी चुनावी घोषणा पत्र की करें तो मुख्य बातें, (1) युवा उड़ान योजनाः बेरोजगार युवाओं को हर महीने 8500 रुपये की सहायता दी जाएगी (2) अप्रेंटिस शिपःबेरोजगार युवकों को एक साल की अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षण) देने का वादा किया गया है। (3) सस्ता सिलेंडरः 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा ।(4) मुफ्त राशन किटःमुफ्त राशन किट प्रदान करने का वादा किया गया है। (5) 300 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दिल्ली की चुनावी लड़ाई-वादों में रेवड़ियों की भरमार छाई-टैक्स पेयर्स द्वारा पेड टैक्स की मज़ाक उड़ाई, चुनावी रेवड़ियों को अब मतदाताओं को प्रलोभन (रिश्वत) के रूप में देखा जा रहा है ।रेवड़ी कल्चर से मिशन आत्मनिर्भर भारत को पूर्ण करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

अप्रिलिया तुओनो 457 को फ़रवरी 2025 में किया जा सकता है लॉन्च, दमदार इंजन के साथ मिलेंगे बेहतरीन फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

अप्रिलिया ट्यूनो लॉन्च इटली की निर्माता अप्रिलिया की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन बाइक्स की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से जल्द ही नई बाइक के तौर पर Aprilia Tuono 457 को लॉन्च किया जा सकता है। इस बाइक को कब तक भारत में लॉन्च किया जा सकता है। किस तरह के फीचर्स और इंजन को बाइक में ऑफर किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इटली की वाहन निर्माता Aprilia की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई बाइक को लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी की ओर से कब तक इस बाइक को लाया जा सकता है। कितना दमदार इंजन दिया जा सकता है। किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Aprilia करेगी नई बाइक लॉन्च

कंपनी की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई बाइक को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। Aprilia की ओर से Tuono 457 को लॉन्च किया जा सकता है। लॉन्च से पहले बाइक को कई बार टेस्टिंग के दौरान भी देखा जा चुका है। इसके अलावा इस बाइक को कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपडेट किया जा चुका है।

Aprilia Tuono 457 Engine

Aprilia की ओर से Tuono 457 बाइक में 457 सीसी की क्षमता का ट्विन सिलेंडर इंजन दिया जाएगा जिससे इसे 35 किलोवाट की पावर के साथ 43 न्यूटन मीटर के आस-पास की पावर को दिया जाएगा।

Aprilia Tuono 457 Features

बाइक में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा। इसमें एलईडी लाइट्स, छोटा स्पॉयलर, यूएसडी फॉर्क्स, रियर मोनोशॉक सस्पेंशन, दोनों पहियों मे डिस्क ब्रेक, पांच इंच की डिजिटल स्पीडोमीटर, राइड बाय वायर, राइडिंग के लिए तीन मोड्स, ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे फीचर्स को दिया जाएगा।

Aprilia Tuono 457 Launch Date

कंपनी की ओर से औपचारिक तौर पर इसका एलान कुछ दिनों में किया सकता है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे 17 फरवरी 2025 को एक कार्यक्रम में लॉन्च किया जा सकता है।

Aprilia Tuono 457 Price

अप्रिलिया की ओर लॉन्च के समय इसकी कीमत की सही जानकारी दी जाएगी लेकिन इसकी संभावित एक्स शोरूम कीमत चार लाख रुपये के आस-पास रह सकती है।

किनसे होगा मुकाबला

Aprilia Tuono 457 बाइक को 450 से 500 सीसी सेगमेंट में लाया जाएगा। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला KTM 390, Hero Mavrick 440, Harley Davidson 440x, Triumph Speed 400 जैसी बाइक्स से होगा।

सुज़ुकी ने बताया पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर ई एक्सेस को देरी से लाने का कारण, भविष्य पर दी अहम जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

जापान की दो पहिया वाहन निर्माता Suzuki की ओर से भारतीय बाजार में जनवरी में हुए Auto Expo 2025 के दौरान पहला Electric Scooter Suzuki E Access को पेश किया गया। पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर को देरी से लाने पर सुजुकी की ओर से क्या जानकारी दी है और भविष्य की रणनीति पर सुजुकी की मैनेजमेंट और चीफ इंजीनियर्स ने क्या कहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Suzuki की ओर से कई सेगमेंट में दो पहिया वाहनों की बिक्री की जाती है। लेकिन कंपनी ने 17 से 22 जनवरी के बीच Auto Expo 2025 में Electric Vehicle सेगमेंट में एंट्री करते हुए Suzuki Access E को पेश किया है। कंपनी को ईवी सेगमेंट को लेकर क्या उम्मीदें हैं और क्यों Electric Scooter सेगमेंट में अब नए उत्पाद को पेश किया गया। इस पर jagran.com ने बात की सुजुकी की मैनेजमेंट और उत्पादों को डिजाइन से लेकर डेवलप करने वाली इंजीनियर्स की टीम में शामिल Hideshi Morii, Seiji Yokoyama और Hirokazu Yabe से।

सवाल – सुजुकी के लिए भारत एक महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। ऐसे में कंपनी की ओर से भविष्य को लेकर क्या योजनाएं हैं।

जवाब – सुजुकी इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर काफी गंभीर है और 2023 में ही इसका प्लान बनाया गया था कि हम 25 फीसदी तक ईवी को लाएं। अब कंपनी इसके नजदीक है।

सवाल – क्या सुजुकी अपने पोर्टफोलियो में सिर्फ E Access स्कूटर से ही ईवी सेगमेंट में अपने लक्ष्यों को अचीव करने की तैयारी कर रही है या फिर एक से ज्यादा उत्पादों को भविष्य में ईवी सेगमेंट में देखा जा सकता है।

जवाब – कंपनी सिर्फ एक ही स्कूटर के जरिए ईवी पोर्टफोलियो के लिए तय किए गए लक्ष्य को नहीं पाना चाहती। भविष्य में सुजुकी के पोर्टफोलियो में और भी उत्पादों को ईवी सेगमेंट में लाया जाएगा।

सवाल – दुनियाभर में सामान्य ICE तकनीक के अलावा EV का भी उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा Flex Fuel आदि पर भी फोकस किया जा रहा है। ऐसे में क्या सुजुकी की ओर से भी ऐसी तकनीक के साथ वाहनों को लाया जा सकता है।

जवाब – हां, सुजुकी की रणनीति के मुताबिक हम सिर्फ ईवी पर ही फोकस नहीं कर रहे बल्कि हम ICE और EV के साथ ही E-Fuel, Flex Fuel, Hydrogen Fuel जैसी तकनीक पर भी विचार किया जा रहा है और भविष्य में इसपर काम करते हुए नए उत्पादों को लाया जा सकता है।

सवाल – सुजुकी की ओर से हाइड्रोजन फ्यूल पर भी काम किया जा रहा है। कितना काम इस पर किया जा चुका है और कब तक इस तरह के फ्यूल के साथ वाहनों को देखा जा सकता है।

जवाब – पहले हम ई-फ्यूल पर काम कर रहे हैं और उसके बाद अन्य तरह के फ्यूल पर काम किया जाएगा। इसमें काफी कुछ है, इसलिए पहले इस पर काम किया जा रहा है।

सवाल – इलेक्ट्रिक सेगमेंट में E Access को पेश करने के बाद अब सुजुकी और किस तरह के उत्पादों को इस सेगमेंट में लाने की तैयारी कर रही है।

जवाब – अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि और किस तरह के उत्पादों को लाया जा सकता है। इस प्रक्रिया में और भी कंपनियों के साथ मिलकर काम किया जाता है, जिसके बाद उत्पाद को लाया जाता है।

सवाल – E Access को जनवरी 2025 में सुजुकी की ओर से शोकेस किया गया है। भारत में पहले से ही इस सेगमेंट में कई कंपनियां मौजूद है, क्या आपको लगता है कि आप ईवी सेगमेंट में अपना पहला उत्पाद लाने में थोड़ा पीछे रह गए हैं।

जवाब – सुजुकी की ओर से E Access को थोड़ी देरी से लाने के लिए हम भारतीयों से माफी मांगते हैं। लेकिन एक जिम्मेदार कंपनी होने के नाते हमें कई तरह के टेस्ट करने पड़े और भी कई चीजों का ध्यान रखना पड़ा, जिस कारण हमें थोड़ा ज्यादा समय लगा।

सवाल – किसी भी इलेक्ट्रिक दो पहिया में सुरक्षा काफी महत्वपूर्ण होती है। सुजुकी की ओर से इस पर क्या काम किया गया है। सुरक्षा पर कितना फोकस रखा गया है।

जवाब– अन्य कंपनियों के मुकाबले हम एलएफपी का उपयोग कर रहे हैं। इसलिए हमने अन्य कंपनियों के मुकाबले काफी ज्यादा टेस्ट किए हैं। जिसके बाद हम यह कह सकते हैं कि हमारा उत्पाद हर तरह से काफी बेहतरीन और सुरक्षित है। इसके उपयोग से पहले हमने लंबे समय तक इस बात पर चर्चा कि किस तरह से बैटरी को बनाया जाए जिससे वह सुरक्षित रह सके। जिसके बाद हमने तय किया कि हमें किस तरह की तकनीक पर काम करना है।

सवाल – ईवी को फिलहाल पेश किया गया है। लेकिन इसकी शुरुआत से लेकर यहां तक पहुंचने में कितना समय लगा।

जवाब – हम इस पर काफी समय से काम कर रहे थे, लेकिन इस तरह टाइम फ्रेम बताना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

सवाल – E Access को कंपनी ने फिलहाल ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया है। इसे कब तक लॉन्च किया जा सकता है और किस कीमत पर लाया जा सकता है।

जवाब – जनवरी में ऑटो एक्सपो 2025 के दौरान सुजुकी की ओर से पहले Electric Scooter के तौर पर Suzuki E Access को पेश किया गया है और अब जल्द ही इसे भारत में लॉन्च (Suzuki E Access launch) भी कर दिया जाएगा। कीमतों के बारे में अभी कंपनी में भी चर्चा की जा रही है और जैसे ही तय होता है इसकी जानकारी भी दी जाएगी।

हीरो एक्सट्रीम 250आर के लिए कब से शुरू होगी बुकिंग और कब शुरू होगी वितरण, शेड्यूल के साथ जानें कितनी है कीमत

भारत की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता Hero Motocorp की ओर से जनवरी 2025 में हुए Auto Expo के दौरान प्रीमियम सेगमेंट में Hero Xtreme 250R बाइक को लॉन्च किया गया था। इस बाइक में किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितना दमदार इंजन मिलता है। कब से इसकी Booking और Delivery को शुरू किया जाएगा। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश की प्रमुख दो पहिया निर्माता Hero MotoCorp की ओर से भारतीय बाजार में प्रीमियम सेगमेंट के अंदर Auto Expo 2025 के दौरान नई बाइक को लॉन्च किया गया है। कंपनी की ओर से नई बाइक के तौर पर Hero Xtreme 250R को लाया गया है। इस बाइक के लिए कब से Booking को शुरू किया जाएगा। कब से इसकी Delivery को शुरू करने की तैयारी की जा रही है। किस तरह के फीचर्स और इंजन के साथ इसे लाया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

हीरो ने लॉन्च की नई बाइक Xtreme 250R

हीरो मोटोकॉर्प की ओर से 17 से 22 जनवरी के बीच हुए Auto Expo 2025 के दौरान 250 सीसी सेगमेंट में नई बाइक के तौर पर Hero Xtreme 250R को भारत में लॉन्च किया था। लॉन्च के साथ ही इसकी बुकिंग और डिलीवरी को शुरू नहीं किया गया था। लेकिन अब जल्द ही बुकिंग को शुरू किया जाएगा।

कब से शुरू होगी बुकिंग और डिलीवरी

कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक Hero Xtreme 250R के लिए फरवरी 2025 से बुकिंग को शुरू कर दिया जाएगा। ऑनलाइन या ऑफलाइन डीलरशिप पर जाकर इस बाइक के लिए बुकिंग करवाई जा सकेगी। इसके अलावा बाइक की डिलीवरी के लिए मार्च 2025 तक का इंतजार करना होगा। मार्च 2025 से इसकी डिलीवरी को भी शुरू कर दिया जाएगा।

कैसे हैं फीचर्स

Hero Xtreme 250R में कंपनी की ओर से कई बेहतरीन फीचर्स के साथ इसे लाया गया है। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, लैप और ड्रैग रेस टाइमर, 43 एमएम यूएसडी फॉर्क्स, 6स्टेप एडजस्टेबल मोनोशॉक सस्पेंशन, इंटेलीजेंट इलूमिनेशन एलईडी हेडलैंप, दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक, 17 इंच अलॉय व्हील्स, एलईडी विंकर्स के साथ हजार्ड स्विच, 11.5 लीटर की क्षमता का पेट्रोल टैंक, 167 एमएम की ग्राउंड क्लियरेंस, 806 एमएम सीट हाइट के साथ लाया गया है।

कितना दमदार इंजन

कंपनी की ओर से इसमें 249.03 सीसी की क्षमता का इंजन दिया जाता है। जिससे बाइक को 30 पीएस की पावर और 25 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। बाइक में फ्यूल इंजेक्शन तकनीक का उपयोग किया गया है जिससे इसकी माइलेज बेहतर हो जाती है। साथ ही 6स्पीड गियरबॉक्स के साथ बाइक को लाया गया है। बाइक में सुरक्षा के लिए ड्यूल चैनल स्विचेबल एबीएस को दिया गया है, जिसमें दो मोड्स मिलते हैं।

कितनी है कीमत

अगर आप भी बाइक को घर लाने की तैयारी कर रहे हैं तो फरवरी में इसे बुक करवाकर मार्च में डिलीवरी ली जा सकती है। कंपनी की ओर से इसे 1.80 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत और तीन रंगों के विकल्प में लॉन्च किया है।

हीरो करिज्मा एक्सएमआर 210 कॉम्बैट एडिशन हुई टीज, नए फीचर्स समेत मिलेगा नया कलर स्कीम

परिवहन विशेष न्यूज

हीरो मोटोकॉर्प ने Hero Karizma XMR 210 Combat Edition को अपने सोशल मीडिया पर टीज किया है। इसके टीजर में नया कलक स्कीम समेत नया डिजाइन देखने के लिए मिलेगा। इसके साथ ही यह अपने सेगमेंट में काफी प्रीमियम लुक और शेड के साथ आने वाली है। यह अपने बेस वेरिएंट से 10 हजार रुपये महंगी होने वाली है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

नई दिल्ली। ऑटो एक्सपो 2025 में Hero XPulse 210 को लॉन्च करने के बाद कंपनी अब Karizma XMR 210 को लाने की तैयारी कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प ने Hero Karizma XMR 210 को अपने सोशल मीडिया पर टीज किया है, जिसमें इसे जल्द ही भारत में लॉन्च करने की बात कही गई है। करिज्मा XMR 210 का यह आने वाला वेरिएंट सबसे प्रीमियम वेरिएंट होने वाला है। इसमें कॉम्बैट एडिशन में बेहतर अंडरपिनिंग और ज्यादा प्रीमियम शेड दिया जा सकता है। अभी Hero Karizma XMR 210 Combat Edition के लॉन्च की तारीख की घोषणा नहीं की गई है। आइए जानते हैं कि इसमें क्या फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं।

डिजाइन

Hero Karizma XMR 210 Combat Edition में सबसे अलग इसमें गोल्ड-फिनिश इनवर्टेड फोर्क देखने के लिए मिलेंगे, जो इसे बाइक के मुकाबले ज्यादा प्रीमियम लुक देंगे। इसके अलावा, बाइक में ग्रे कलर स्कीम भी मिलेगा, जिसे पहले Xoom 110 कॉम्बैट एडिशन में देखा जा चुका है। उस कलर स्कीम से मिलती-जुलती होगी।

इसमें इनवर्टेड फोर्क को जोड़ा गया है, जो बाइक के प्रीमियम कोशेंट को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। इसक जुड़ने से Yamaha R15M जैसे प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में ज़्यादा प्रतिस्पर्धी बन जाएगी। इसके बेस हीरो करिज्मा XMR 210 की तुलना में अपग्रेडेड हार्डवेयर के जुड़ने का बाद इसे ज्यादा लोग पसंद कर सकते हैं।

इसके साथ ही, इसमें इनवर्टेड फोर्क सेटअप टेलिस्कोपिक फोर्क की तुलना में ज़्यादा जटिल हार्डवेयर देखने के लिए मिल सकते हैं। इसके परफॉर्मेंस से पहले अभी तक यह नहीं कहा जा सकता कि यह कैसी होने वाली है, जब तक इसे हमें खुद बाइक चलाने का मौका न मिले।

इंजन

ऊपर बताई गई चीजों के अलावा Hero Karizma XMR 210 Combat Edition में किसी तरह का कोई और बदलाव नहीं किया गया। इसमें वहीं, 210cc, लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 9,250 rpm पर 25.5 PS की पावर और 7,250 rpm पर 20.4 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

लॉन्च टाइमलाइन और एक्सपेक्टेड कीमत

हीरो मोटोकॉर्प ने Hero Karizma XMR 210 Combat Edition को अपने सोशल मीडिया पर टीज किया है, जिसे देखते हुए हमें उम्मीद है कि कंपनी इसे फरवरी 2025 में कभी भी लॉन्च कर सकती है। इसकी कीमत बेस करिज्मा XMR से करीब 10 हजार रुपये ज्यादा हो सकती है। करिज्मा XMR 210 की एक्स-शोरूम कीमत 1,81,400 रुपये है।

बड़ा व्हील बेस, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम, फिक्स्ड ग्लास सनरूफ जैसे फीचर्स के साथ आएगी मारुति ई विटारा, मिलेगी 500 KM से ज्यादा की रेंज

परिवहन विशेष न्यूज

देश की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti की ओर से Auto Expo 2025 में पहली Electric SUV के तौर पर Maruti E Vitara को पेश किया गया है। कंपनी की ओर से इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया जाएगा। कितनी रेंज के साथ एसयूवी को लॉन्च किया जाएगा। इसकी संभावित एक्स शोरूम कीमत क्या हो सकती है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से भारतीय बाजार में पहली बार Electric SUV के तौर पर Maruti E Vitara को Auto Expo 2025 के दौरान पेश किया गया है। जिसके बाद इस बात की संभावना काफी ज्यादा हो गई है कि एसयूवी को जल्द से जल्द लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च से पहले हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि एसयूवी में किस तरह के फीचर्स को दिया जाएगा।

वेबसाइट पर अपडेट हुई जानकारी

मारुति की ओर से अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली E Vitara में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा। कंपनी की ओर से इसे प्रीमियम डीलरशिप नेक्सा के जरिए ऑफर किया जाएगा। ऐसे में नेक्सा की वेबसाइट पर गाड़ी के फीचर्स और रेंज सहित पूरी जानकारी अपडेट की गई है। जिसमें इसके फीचर्स, रेंज, डिजाइन सहित पूरी जानकारी को दिया गया है।

Maruti E Vitara में मिलेंगे बेहतरीन फीचर्स

Maruti E Vitara के फ्रंट में पॉलीहाइड्रल मस्क्यूलर स्टांस, थ्री पाइंट मैट्रिक्स एलईडी डीआरएल, थ्री पाइंट मैट्रिक्स रियर लाइट्स, एंबिएंट लाइट्स, 26.04 सेमी एमआईडी, ट्विनडैक फ्लोटिंग कंसोल के साथ शिफ्ट बाय वायर, फिक्स्ड ग्लास के साथ सनरूफ, वायरलेस चार्जर, नेक्स्ट जेन सुजुकी कनेक्ट, फ्रंट वेंटिलेटिड सीट्स, 10वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, स्लाइडिंग और रिक्लाइनिंग रियर सीट्स, पीएम 2.5 केबिन एयर फिल्टर, फलैक्सिबल बूट स्पेस, लॉन्ग व्हील बेस, सात एयरबैग, हाई टेंसाइल स्टील स्ट्रैंथ, टीपीएमएस, 360 डिग्री कैमरा, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, ईपीबी, ब्रेक होल्ड, Level-2 ADAS, ड्राइविंग मोड्स, रीजन और स्नो मोड्स, 5.2 मीटर टर्निंग रेडियस, 18 इंच अलॉय व्हील्स, रूफ एंड स्पॉयलर, ड्यूल टोन इंटीरियर, 25.65 सेमी इंफोटेनमेंट सिस्टम, हरमन ऑडियो सिस्टम, एबीएस, ईबीडी, हिल असिस्ट जैसे कई फीचर्स को दिया जाएगा।

कितनी दमदार बैटरी

कंपनी की ओर से E Vitara में 61 kWh की क्षमता की बैटरी पैक को दिया जाएगा। जिससे इसे सिंगल चार्ज में 500 किलोमीटर की रेंज मिलेगी। इसकी बैटरी को 120 लिथियम ऑयन आधारित सेल से बनाया गया है जिसे बेहद कम तापमान के साथ ही काफी ज्यादा तापमान में भी उपयोग किया जा सकता है।

कब होगी लॉन्च

मारुति की ओर से पहली Electric SUV के तौर पर पेश की गई E Vitara के लॉन्च को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। एसयूवी के लिए अभी औपचारिक तौर पर बुकिंग को भी शुरू नहीं किया गया है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इस एसयूवी को भारत में जून के बाद लॉन्च किया जा सकता है। लॉन्च के समय ही इसकी सही कीमत की जानकारी भी मिल पाएगी।

किनसे होगा मुकाबला

Maruti E Vitara को कंपनी की ओर से मिड साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में लाया जाएगा। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला Hyundai Creta Electric, MG Windsor, Tata Curvv EV, Mahindra BE 6 जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ होगा। इसके अलावा इसे जल्द लॉन्च होने वाली Tata Harrier जैसी एसयूवी से भी चुनौती मिलेगी।

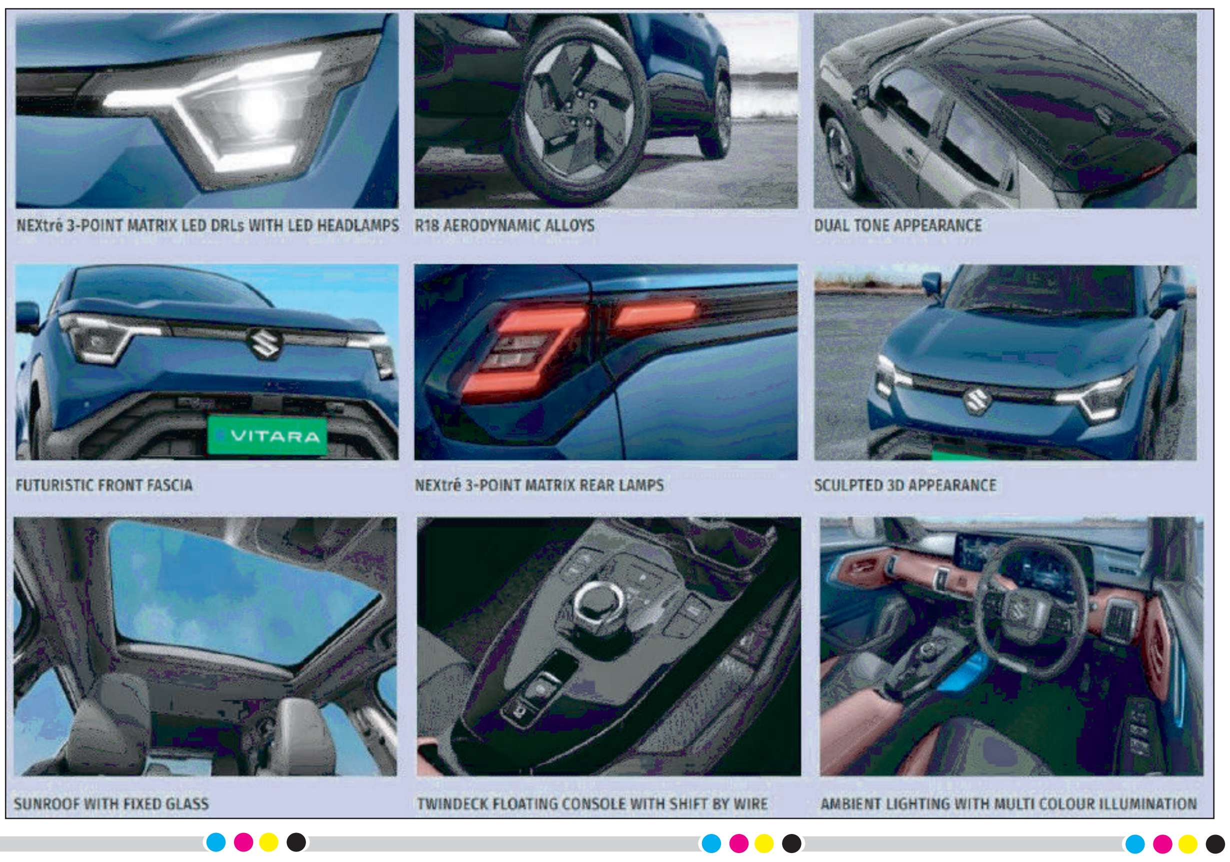

अंतरिक्ष में कामयाबी के कदम

विजय गर्ग

अभी हाल में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दो उपग्रहों को अंतरिक्ष में परस्पर जोड़कर एक उपग्रह बनाने का कारनामा कर दिखाया है। इसरो ने पहले पृथ्वी की कक्षा में दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक स्थापित किया, फिर दोनों को आपस में जोड़ दिया। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'स्पेस डाकिंग एक्सपेरिमेंट' (स्पेडेक्स) कहा जाता है और ऐसी क्षमता हासिल करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है। भारत से पहले अमेरिका, रूस और चीन इस कारनामे को अंजाम दे चुके हैं। भारतीय वैज्ञानिकों की यह उपलब्धि इस मायने में महत्त्वपूर्ण है कि उन्होंने सीमित संसाधनों और अपनी क्षमता से खुद का 'डाकिंग मैकेनिज्म' विकसित किया। इस बेहद जटिल और संवेदनशील तकनीक को अब तक कामयाब देशों ने भारत को नहीं दिया था। इसीलिए इसरो ने इसे 'भारतीय डाकिंग सिस्टम' नाम देकर पेटेंट भी करा लिया है। भारतीय वैज्ञानिकों ने न केवल उपग्रहों को जोड़कर एक बनाया, बल्कि उन्हें वापस अलग भी किया।

यह तकनीक बहुत काम की है, क्योंकि भविष्य में भारत को अपना अंतरिक्ष केंद्र बनाना है और अंतरिक्ष केंद्र बनाते समय एक उपग्रह को दूसरे से जोड़ने की कला में माहिर होना सबसे जरूरी है, क्योंकि अंतरिक्ष में कोई भी निर्माण एक झटके में नहीं पूरा होगा, बल्कि अंतरिक्ष केंद्र हेतु वांछित सामग्री बार-बार ले जाने की जरूरत पड़ेगी। अगर एक बड़े उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करना मुश्किल हो, तो छोटे-छोटे उपग्रह जोड़कर बड़ा उपग्रह तैयार किया जा सकता है। इस सफलता ने इसरो की नवाचार क्षमता और घरेलू रूप से उन्नत तकनीकों को विकसित करने की योग्यता को प्रदर्शित किया है, जिससे बाहरी समर्थन पर निर्भरता कम हुई है।

जब भारत इस तकनीक में माहिर हो जाएगा, तो अंतरिक्ष में किसी भी पुराने पड़ते उपग्रह को फिर से 'रिचार्ज' या दुरुस्त किया जा सकेगा। तब भारत की अंतरिक्ष में सफाई अभियान में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी, जिसके बारे में अमेरिका, रूस तथा चीन ज्यादा नहीं सोचते। इस तकनीक में महारत हासिल करने से भारत संभावित रूप से अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं जैसे कि 'लूनर गेटवे' या अन्य सहयोगात्मक अंतरिक्ष स्टेशन प्रयासों में एक प्रमुख साझीदार बन सकता है। इस प्रकार इस मिशन की कामयाबी से चंद्रयान- 4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे मिशनों की राह आसान हुई है चंद्रयान- 4 मिशन में चंद्रमा की मिट्टी के नमूने पृथ्वी पर लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन में इंसान को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसरो के लिए इस मिशन का सफल होना बहुत जरूरी था, क्योंकि इसका उपयोग उपग्रहों की सर्विसिंग, अंतरिक्ष स्टेशन संचालन और ग्रहों के बीच आपस में चल रहे मिशनों में खूब होता है भारत की यह सफलता अंतरिक्ष में छिपे कई रहस्यों और जानकारियों के उद्घाटन में बहुत काम आएगी। तकनीकी दक्षता के साथ-साथ इस मिशन के जरिए भारत वैश्विक व्यावसायिक अंतरिक्ष बाजार में अपनी जगह सुनिश्चित कर रहा है। 2030 तक यह बाजार एक लाख करोड़ डालर का हो सकता है। फिलहाल, इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ आठ अरब डालर की है। सरकार का लक्ष्य 2040 तक इसे बढ़ाकर 44 अरब डालर करना है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने श्रीहरिकोटा में तीसरे लांच पैड के निर्माण को मंजूरी दी है। फिलहाल यहां दो लांच पैड मौजूद हैं। नए लांच पैड को अंतरिक्ष क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा। इससे भारत अपनी जरूरत के मिशन को अंजाम देने के साथ-साथ विश्व की मांग भी पूरी कर सकेगा।

सरकार के अनुसार भारत अंतरिक्ष में वर्ष 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के नाम से अपना अंतरिक्ष केंद्र स्थापित करेगा भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 की शुरुआत के साथ ही अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति प्रदान करने से नए उद्यमियों को काफी प्रोत्साहन मिला है। इस समय अंतरिक्ष क्षेत्र सार्वजनिक और निजी भागीदारी की बदौलत तेजी से विकास कर रहा है। अभी करीब तीन सौ स्टार्टअप अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। सरकार ने अंतरिक्ष स्टार्टअप 'वेंचर फंड' के लिए एक हजार करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। इसरो के अध्यक्ष के अनुसार भारत का लक्ष्य अगले दस वर्षों में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपने योगदान को दो फीसद से बढ़ाकर दस फीसद करने का है भारत अपनी आयात निर्भरता को कम करने की दिशा में भी काम कर रहा है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर गौर करें तो इनमें मुख्य रूप से चंद्रयान मिशन के तहत चंद्रयान-1 (2008) भारत का पहला चंद्र मिशन था, जिसने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की खोज की। भारत का पहला मंगल मिशन मंगलयान (2014) को पहली ही कोशिश में सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। कम लागत के इस मिशन ने भारत को मंगल की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश बनाया। उसके बाद चंद्रयान-2 (2019) के तहत आर्बिटर, लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) शामिल थे। 23 अगस्त, 2023 को चंद्रयान- 3 (2023) के तहत भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की और इस प्रकार ऐसा करने वाला पहला देश बना। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में देश ने प्रति वर्ष 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसके जरिए भारत सरकार ने भारत के अंतरिक्ष मिशनों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को उजागर करने और देश के युवाओं को प्रेरित करने के लिए एक महीने का अभियान शुरू किया। इसका विषय था- 'चांद को छूते हुए जीवन को छूनाः भारत की अंतरिक्ष गाथा'।

इसरो ने 16 अगस्त, 2024 को अब तक के सबसे छोटे सैटेलाइट लांच वीकल डी3 की तीसरी उड़ान के जरिए ईएसओ-08 और एसआर-0 उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया था। ये उपग्रह निगरानी, आपदा निगरानी, आग का पता लगाने, ज्वालामुखी गतिविधियों, औद्योगिक और बिजली संयंत्र आपदाओं जैसी घटनाओं से निपटने के लिए पूर्व जानकारी प्रदान करेंगे। इसके अलावा, भारत ने सस्ती और विश्वसनीय प्रक्षेपण तकनीकों में महारत हासिल की है। एक ही मिशन में 104 उपग्रहों को प्रक्षेपित करके विश्व कीर्तिमान बनाया। अभी गगनयान मिशन भारत का एक महत्त्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पाइपलाइन में है, जिसकी 2025 के आसपास प्रक्षेपित होने की योजना है। इसरो ने 'स्पेस मिशन' का 2040 तक की रूपरेखा भी तैयार की है और उस पर तेजी से काम हो रहा है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों ने जहां रूस, अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ कई संयुक्त मिशनों में सहयोग किया है, तो दूसरी ओर सार्क और विकासशील देशों को उपग्रह प्रक्षेपण और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भी मदद प्रदान की। यही कारण है कि इसरो की विश्वसनीयता और वैश्विक नेतृत्व का लोहा माना जा रहा है। इसका श्रेय इसरो की तकनीकी क्षमता और किफायती माडल को जाता है। इसकी परियोजनाएं समय और लागत में कुशलता का एक अनुपम उदाहरण हैं। इस प्रकार सीमित संसाधनों से शुरू हुई भारत की अंतरिक्ष गाथा आज दुनिया को नई ऊंचाइयों की ओर प्रेरित करती है। यह गाथा भारत की विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और आत्मनिर्भरता की यात्रा को भी प्रदर्शित करती है।

भावनाओं का मौन मौन संवाद

विजय गर्ग

आंसू प्रथम दृष्टया आंखों से बहने वाला पानी दिखता है, लेकिन हम सब समझते हैं कि यह मानव जीवन की सबसे गहरी भावनाओं के अदृश्य पुल हैं। आंसू हमारे मन की कहानी कहते हैं, कभी खुशी से तो कभी गहरे दुख से । यह एक ऐसा माध्यम है, जो शब्दों के अभाव में हमारे भावों को व्यक्त करता है। इसका महत्त्व, प्रकार और इससे जुड़ी मानवीय संवेदनाएं इतनी व्यापक हैं कि इसे केवल एक शारीरिक क्रिया मान लेना अनुचित होगा। मनुष्य के भीतर भावनाओं की व्यापकता और बहुस्तरीय उतार-चढ़ाव के लिहाज से देखें तो आंसू अपने आप में कई प्रकार के होते हैं। हर आंसू अपने बहाव में एक अलग कहानी समेटे होता है । किन्हीं स्थितियों में बहा दिया जाए या बहने दिया जाए, तब ये सिर्फ आंसू हैं, मगर इसके विभिन्न रूपों को समझने की कोशिश इसके नए आयाम खोलती है। दुख के प्रतीक और हर्ष के अतिरेक में बहने वाले आंसुओं के बरक्स सहानुभूति के लिए बहाए गए आंसू सबसे अधिक भ्रमित करने वाले होते हैं । ऐसे आंसू अक्सर भावनाओं का शोषण करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। इस नाम पर बहाए गए आंसुओं में ईमानदारी की कमी होती है और ये दूसरों को अपने प्रति दयालु बनाने का प्रयास करते हैं। इन्हें वास्तविकता का रूप देने के लिए नाटकीयता का भी सहारा लिया जाता है। जैसे कसम खाना, छाती पीटना या खुद को बेबस दिखाना । ऐसे आंसू संवेदनाओं के कृत्रिम प्रदर्शन हैं, जो सच्चे आंसुओं की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं ।

इस वर्ग में दूसरे प्रकार के आंसू वे होते हैं, जो स्वार्थी होते हैं । इस तरह के आंसू सच्चे तो दिखते हैं, लेकिन इनका केंद्र केवल 'मैं' होता है। ये तब बहते हैं, जब व्यक्ति खुद किसी दुख या पीड़ा का सामना कर रहा हो। इन आंसुओं का संसार केवल व्यक्ति की अपनी समस्याओं तक सीमित होता है। दुनिया में चाहे कितनी भी बड़ी त्रासदी हो, इन आंसुओं का बहाव केवल अपने दर्द तक ही सीमित रहता है। इस तरह के आंसुओं को आत्म- केंद्रित भावनाओं का प्रतीक कहा जा सकता है।

दूसरों के दुख देखकर बहने वाले आंसू मानवीय संवेदनाओं का सबसे सुंदर और कोमल रूप हैं। किसी की तकलीफ, हानि या किसी की परेशानी देखकर कई बार किसी व्यक्ति की आंखों से आंसू अपने आप निकल आते । यह उस हृदय की निशानी हैं, जो न केवल अपने दर्द को महसूस करता है, बल्कि दूसरों के दुख को भी समझने और साझा करने की क्षमता रखता है। ऐसे आंसू इंसान के भीतर की करुणा और प्रेम को प्रकट करते हैं।

सबसे गहरे और रहस्यमय आंसू वे होते हैं, जो आंखों के किसी कोने में छिपे रहते हैं। ऐसे आंसू बिना किसी गवाह के बहते हैं। इन्हें कभी-कभी 'एकांत के आंसू' भी कहा जाता है। ये आंसू व्यक्ति की आत्मा की सच्चाई को बयान करते हैं । इनका कोई श्रोता नहीं होता, कोई गवाह नहीं होता । ये केवल आंसू बहाने वाले व्यक्ति और उसकी भावनाओं के बीच का मौन संवाद होते हैं। इन आंसुओं का बहना एक प्रकार की आत्म - स्वीकृति और मन की शांति की खोज का संकेत है।

आंसुओं का महत्त्व केवल भावनाओं को व्यक्त करने क सीमित नहीं है। ये हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक हैं। आंसुओं का बहना तनाव को कम करता है और मन को हल्का बनाता है । यह दुख और पीड़ा को व्यक्त करने का सबसे प्राकृतिक तरीका है। आंसुओं से भावनाओं का शुद्धीकरण होता है। ये मन को शुद्ध करते हैं। जब मन दुख भर जाता है, तो आंसू उसे बाहर निकालने का माध्यम बनते हैं । ये व्यक्ति को अंदर से हल्का और शांत महसूस कराते हैं। सच यह है कि आंसू मानवीय संवेदनाओं के प्रतीक हैं। ये हमें यह समझने का मौका देते हैं कि व्यक्ति का दिल कितना कोमल और संवेदनशील है। ये उस गहरे जुड़ाव को प्रकट करते हैं, जो इंसान को इंसान से जोड़ते हैं। आंसू अक्सर सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत बनाते हैं। जब हम किसी को रोते हुए देखते हैं, तो हमारे भीतर उसकी मदद करने की भावना उत्पन्न होती है। ये मानवीय करुणा और दया का प्रतीक हैं।

आंसू केवल आंखों से बहने वाली बूंदें नहीं हैं। यह जीवन के हर पहलू से जुड़े हैं। खुशी में बहने वाले आंसू यह सिखाते हैं कि जीवन में छोटे-छोटे पलों का जश्न मनाना चाहिए । दुख में बहने वाले आंसू यह याद दिलाते हैं कि जीवन संघर्षों से भरा है, लेकिन इन संघर्षों में छिपा है गहराई और सीखने का अवसर । मौन आंसू यह बताते हैं कि हर भावना को शब्दों में व्यक्त करना आवश्यक नहीं। कुछ भावनाएं इतनी गहरी होती हैं कि उन्हें केवल महसूस किया जा सकता है।

आंसू मानव जीवन का एक अद्भुत और अनिवार्य हिस्सा हैं। ये हमारी भावनाओं, संघर्षों और अनुभवों का प्रतिबिंब हैं । इनकी गहराई को समझना आसान नहीं, लेकिन इनका महत्त्व अनमोल है। हर तरह के आंसू एक कहानी कहते हैं। कुछ आंसू छलावा होते हैं, तो कुछ सच्चाई के प्रतीक । कुछ आंसू स्वार्थ से भरे होते हैं, तो कुछ करुणा और दया के । और कुछ आंसू ऐसे होते हैं, जो केवल हमारे सबसे निजी क्षणों के साक्षी होते हैं। हम जब भी आंसुओं को देखें, तो उन्हें केवल पानी की कुछ बूंदें न समझें। यह उन भावनाओं और अनुभवों का प्रतिबिंब हैं, जो इंसान को इंसान बनाते हैं। आंसू हमें यह सिखाते हैं कि सच्ची संवेदनशीलता और मानवीयता आंखों के इन छोटे- छोटे मोतियों में छिपी होती है ।

विकसित भारत के लिए महिला नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने का सफर जारी

विजय गर्ग

जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनने के अपनी मंजिल की तरफ आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का परिवर्तनकारी प्रभाव इस बात का प्रमाण है कि हम महिलाओं के विकास से महिला नेतृत्व में विकास तक के सफर में कितने आगे आ गए हैं।

स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था कि जब तक महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं होता, तब तक विश्व के कल्याण की कोई संभावना नहीं है किसी भी पंछी के लिए महज एक पंख के साथ उड़ना संभव नहीं है। उनके इस कालजयी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बी.बी.बी.पी.) योजना की शुरूआत की। इस ऐतिहासिक पहल का मकसद भारत में गिरते बाल लिंग अनुपात (सी. एस. आर.) पर ध्यान देना और यह सुनिश्चित करना था कि देश भर में लड़कियों और महिलाओं को वे सभी अवसर देखभाल और सम्मान मिलें, जिनकी वे हकदार हैं।

2011 की जनगणना में बाल लिंग अनुपात 918 होने के साथ सामाजिक पूर्वाग्रहों और नैदानिक उपकरणों के दुरुपयोग की चिंताजनक तस्वीर सामने आई। एक लक्ष्य के साथ तथा जीवन-चक्र-केंद्रित कदमों के जरिए, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को न केवल इस तस्वीर को बदलने के लिए लांच किया गया था, बल्कि एक ऐसे भविष्य की नींव भी रखी गई, जहां महिलाएं नेतृत्व करें और आगे बढ़ें।

पिछले एक दशक में, इस योजना ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के अनुसार, 2014-15 में जन्म के समय राष्ट्रीय लिंग अनुपात 918 से बढ़कर 2023-24 में 930 हो गया है। संस्थागत प्रसव के मामले भी 2014-15 में 61 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 97.3 प्रतिशत हो गए हैं, जबकि पहली तिमाही में प्रसवपूर्व देखभाल पंजीकरण 61 प्रतिशत से बढ़कर 80.5 प्रतिशत हो गया है।

माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात 2014-15 में 75.51 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 79.4 प्रतिशत हो गया। इसके अलावा, पुरुष और स्त्री नवजात शिशुओं के बीच शिशु मृत्यु दर में अंतर तकरीबन खत्म हो गया है, जो उत्तरजीविता और देखभाल में समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आंदोलन, आंकड़ों में सुधार की सीमा से कहीं आगे निकल गया है। इसने महिला सशक्तिकरण के मायने ही बदलकर रख दिए हैं। अक्तूबर 2023 में 150 महिला बाइकर्स द्वारा 10,000 किलोमीटर की यात्रा, यशस्विनी बाइक अभियान जैसी पहल, भारत की बेटियों के अदम्य साहस का प्रतीक है।

आज जब हम इस परिवर्तनकारी पहल के 10 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, साफ है कि मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है। हमें अगर विकसित भारत के अपने सपने को हासिल करना है, तो यह तय करना जरूरी है कि लड़कियां और महिलाएं हमारे राष्ट्र-निर्माण प्रयासों के केंद्र में रहें। भारत तब तक विकसित नहीं हो सकता, जब तक इस देश की लड़कियां और महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के काबिल नहीं हो जातीं। यह हमारे लिए निर्णायक कार्रवाई करने का वक्त है। हमें गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पी.सी.पी.एन.डी.टी.) अधिनियम 1994 के कार्यान्वयन को मजबूत करना चाहिए, शिक्षा में ड्रॉपआऊट दर को संबोधित करना चाहिए, कौशल विकास कार्यक्रमों का विस्तार करना चाहिए और लड़कियों के जीवन के हर चरण में जरूरी मदद देनी चाहिए।

भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं अवैतनिक घरेलू देखभाल कार्य में शामिल हैं। हमारा प्रयास न केवल अधिक महिलाओं के लिए अपने घरेलू क्षेत्रों को छोड़कर घर से बाहर रोजगार करने के लिए एक माहौल को बढ़ावा देना होना चाहिए, बल्कि एक वाजिब करियर और पेशे के तौर पर देखभाल कार्य को बढ़ावा देने के साधन भी बनाने चाहिएं, ताकि जो महिलाएं देखभाल कार्य में प्रशिक्षित हैं और इसे आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो वे इससे भी वित्तीय आजादी हासिल कर सकें और अपने प्रयासों से देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान भी दे सकें। हमारे माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, आज हम एक ऐतिहासिक बदलाव देख रहे हैं। महिला विकास से लेकर महिला नेतृत्व वाले विकास तक, भारत की बेटियां चेंजमेकर, उद्यमी और नेता के रूप में उभर रही हैं। वे अपनी कामयाबी की कहानी की हीरो खुद हैं। आइए हम सब मिलकर उनके सपनों को संजोएं और उनकी यात्राओं को सशक्त बनाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत अपनी आजादी के 100 साल एक ऐसे राष्ट्र के रूप में पूरे करे, जहां हर महिला इसके भाग्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाए।

धूल में छिपा धीमा जहर

विजय गर्ग

देश के कुछ हिस्सों में सिलिकोसिस की समस्या इतनी आम हो गई है कि इसे लगभग स्वाभाविक मान लिया गया है। राजस्थान, गुजरात और अन्य क्षेत्रों में खदानों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोग इसके सबसे ज्यादा शिकार हैं। हर दिन धूल से ढकी जिंदगियां एक अदृश्य खतरे में डूबी रहती हैं। इन कामगारों का संघर्ष केवल मेहनत तक सीमित नहीं होता। वे हर सांस के साथ उस धूल को अंदर ले रहे होते हैं, जो उनकी सेहत के लिए घातक है। यह समस्या केवल शारीरिक दर्द तक सीमित नहीं है। यह उनकी आर्थिक स्थिति, परिवार के भविष्य और समाज की स्थिरता को भी प्रभावित करती है। यह बीमारी अचानक नहीं फैलती । यह उन जगहों पर पनपती है, जहां श्रमिक सुरक्षा नियम या तो लागू नहीं होते या फिर उनका पालन नहीं किया जाता। निर्माण स्थलों, पत्थर काटने वाली फैक्ट्रियों और खदानों में काम करने वालों के लिए यह बीमारी एक ऐसी छाया की तरह है, जो हमेशा उनके साथ रहती है, लेकिन उस पर कम ध्यान दिया जाता है।

इस रोग का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह अकेले नहीं आता। यह अक्सर टीबी जैसी बीमारियों को भी साथ लेकर आता है। फेफड़ों की कमजोर स्थिति टीबी जीवाणुओं के लिए उपयुक्त वातावरण बनाती है। जब ये दोनों बीमारियां एक साथ होती हैं, तो पीड़ित का जीवन और भी कठिन हो जाता है। सिलिकोसिस की बीमारी पूरी तरह से रोकी जा सकती है। यह उन बीमारियों में से एक है, जिनसे बचाव के उपाय बेहद सरल हैं। कार्यस्थलों पर धूल को नियंत्रित करना, सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करना और नियमित स्वास्थ्य जांच जैसे उपाय इस बीमारी को रोक सकते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि इन उपायों को अपनाने में गंभीर लापरवाही होती है। श्रमिकों को मास्क या सुरक्षात्मक उपकरण नहीं दिए जाते। कार्यस्थलों पर धूल नियंत्रण के उपाय अक्सर लागू ही नहीं होते। कई बार आर्थिक दबाव या नियमों की अनदेखी से यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

नतीजतन सिलिकोसिस से पीड़ित व्यक्ति की काम करने की क्षमता धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। परिवार की आय का मुख्य स्रोत खत्म हो जाता है और आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। इसके अलावा यह बीमारी परिवार के अन्य सदस्यों पर भी मानसिक और आर्थिक दबाव डालती है । इलाज के लिए लंबी प्रक्रिया और सीमित संसाधन इसे और भी चुनौतीपूर्ण बना देते हैं। बहरहाल इस जानलेवा बीमारी के रोकथाम के लिए ऐसे उपकरण और तकनीकें विकसित की जा रही हैं, जो शुरुआती चरण में ही बीमारी का पता लगा सकती हैं। इससे समय पर इलाज और रोकथाम संभव हो सकती है, लेकिन तकनीक के साथ-साथ इस समस्या को लेकर मानसिकता में बदलाव लाना भी उतना ही जरूरी है।

कैसे ग्रामीण भारत ने स्कूली शिक्षा में प्रदर्शन किया

विजय गर्ग

2024 में, ग्रामीण भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली ने चल रही चुनौतियों के साथ उल्लेखनीय सुधारों का प्रदर्शन किया।

सीखने के परिणामः

ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों ने शुरुआती ग्रेड पढ़ने के कौशल में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रदर्शन किया। हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा 3 के 23.4% छात्र 2024 में कक्षा 2-स्तरीय पाठ को पढ़ सकते हैं, 2022 में 16.3% से ऊपर। यह एक दशक में कक्षा 3 के छात्रों के लिए उच्चतम पढ़ने का स्तर है और पूर्व-साहसी आंकड़ों को पार करता है। 2018, जो 20.9% था।

डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर असमानताएंः

इन लाभों के बावजूद, एक महत्वपूर्ण डिजिटल विभाजन ग्रामीण और शहरी स्कूलों के बीच बना रहता है। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि शहरी क्षेत्रों में 47.29% की तुलना में केवल 18.47% ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट का उपयोग है। यह 29% अंतर ग्रामीण छात्रों की ऑनलाइन सीखने के संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता को सीमित करता है।

सरकार की पहलः

2022 में शुरू की गई पीएम श्री योजना का उद्देश्य पूरे भारत में 14,500 से अधिक स्कूलों में शिक्षा और बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता को बढ़ाना है। अक्टूबर 2024 तक, इस योजना को देश भर में 10,855 स्कूलों में लागू किया गया है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने वाले अनुकरणीय स्कूलों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

पोषण संबंधी चुनौतियांः

उच्च खाद्य मुद्रास्फीति ने सरकार द्वारा वित्त पोषित स्कूल भोजन कार्यक्रमों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, जिससे स्कूली बच्चों को प्रदान किए गए भोजन में कम सामग्री और खराब पोषण हो गया है। बढ़ती कीमतों के बावजूद, भोजन कार्यक्रम का बजट अक्टूबर 2022 से अपरिवर्तित रहा है, जिससे एक लाख सरकारी स्कूलों में 120 मिलियन बच्चों को प्रभावित किया गया है।

सारांश में, जबकि 2024 ने सीखने के परिणामों में सुधार देखा और ग्रामीण शिक्षा को बढ़ाने के लिए सरकारी प्रयासों को जारी रखा, डिजिटल बुनियादी ढांचे की असमानताओं और स्कूल भोजन कार्यक्रमों में पोषण संबंधी कमियों जैसी चुनौतियां मुद्दों पर दबाव बना रहे हैं।

वसंत ऋतु, जानें इस मौसम में ऐसा क्या है खास, जिसका साल भर रहता है इंतजार

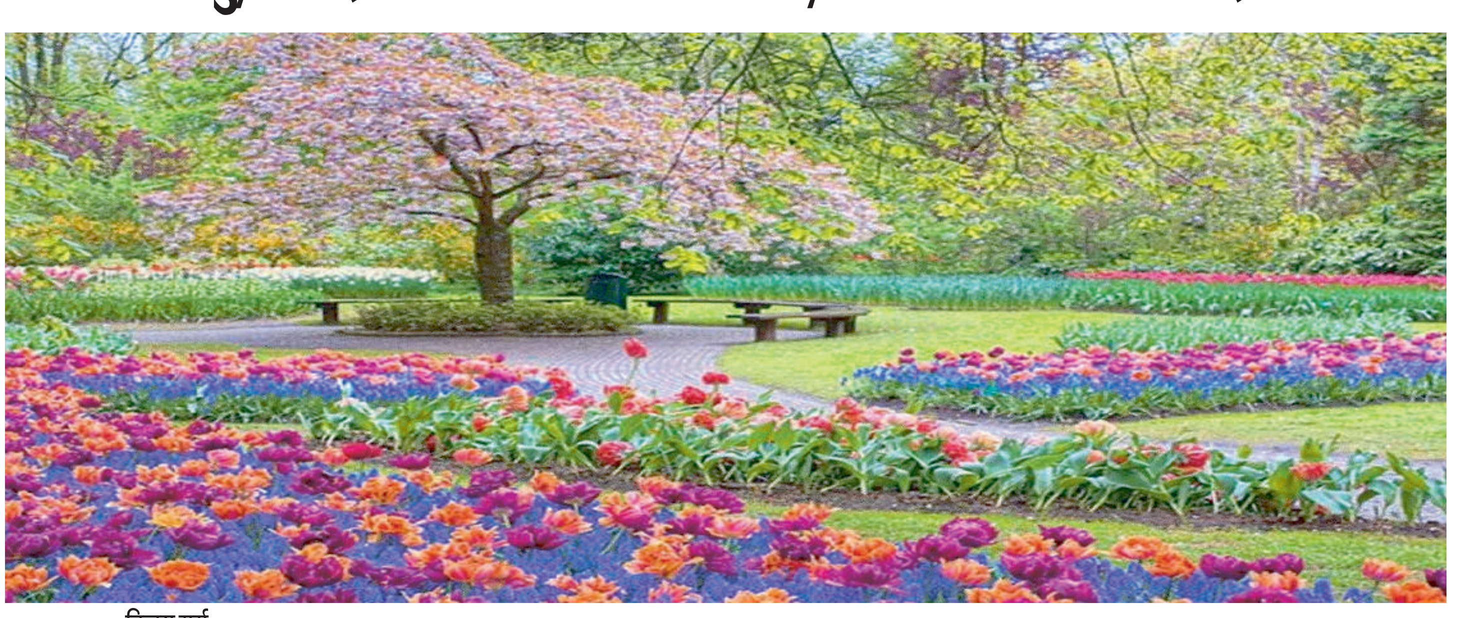

विजय गर्ग

वसंत ऋतु में मौसम और प्रकृति में आने वाले खूबसूरत बदलाव से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है. वसंत पतझड़ के मौसम के बाद ठूंठ हो चुके पेड़-पौधों में फूल पत्तियों के खिलने का समय है, जनमें भंवरे और मधुमक्खियां अपने जीवन की धारा तलाशने पहुंचते हैं. यही कारण है कि वसंत को श्रृंगार की ऋतु व ऋतुओं का राजा कहा गया है.

वसंत का वर्णन काव्य ग्रंथों, शास्त्रों व पुराणों में सुंदर सजीव वर्णन के रूप में मिलता है. यही कारण है कि साहित्य प्रेमी और कवि इस ऋतु के बदलाव को अपनी कलम से सजाते रहे हैं. इस मौसम को पीले रंग से भी जोड़ा गया है, जो समृद्धि का प्रतीक है. यही कारण है कि वसंत पंचमी यानी सरस्वती पूजा के दिन महिला व पुरुष पीले रंग के परिधान पहन कर वसंत का स्वागत करते हैं.

कवियों की नजर में बसंत ऋतु

वसंत को पुष्प समय, पुष्प मास, ऋतुराज, पिक नंद व काम जैसे नाम कवियों ने दिये हैं. इसका अभिप्राय भागवत गीता से मिलता है, जहां भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि ऋतुओं में मैं वसंत हूं. इसमें प्रकृति बोध के साथ मनुष्यत्व की नयी शुरुआत की छवि मिलती है. यही कारण है कि भारतीय साहित्य की सभी भाषाओं में वसंत का अस्तित्व है. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, विद्यापति, अज्ञेय व नागार्जुन जैसे कवियों ने अपनी रचनाओं में वसंत को उकेरा है.

मौसम-ए-गुल का समय है वसंत

प्रेम और उन्माद के इस समय को कवियों ने मौसम-ए-गुल के रूप में भी चित्रित किया है. यह मौसम न ही सर्दी का और न ही गर्मी का होता है. दोनों मौसम के मेल के कारण ही इसे मौसम-ए-गुल कहा गया है. सम-मौसम में प्रकृति के साथ जीव-जंतु और मनुष्य से मनुष्य का जुड़ाव भी बढ़ता है. इस मौसम में फसलें पक कर तैयार हो जाती हैं, आम की डालियां मंजरी से भर जाती हैं और पौधे भी फूलों से लद जाते हैं. मॉडर्न कल्चर में प्रेम के बढ़ते व्यवहार के कारण ही युवा पीढ़ी इस समय को वेलेंटाइन वीक मनाती नजर आती है.

आज भी वसंत ऋतु का होता है इंतजार

वसंत ऋतु कवियों से लेकर आम लोगों को मोहित करती है. वृक्षों के कटाव और शहरी जीवन जीने की होड़ ने पर्यावरण को प्रभावित किया है, लेकिन आज भी कवि वसंत से नहीं बच सके हैं. आज के जन कवि तक पहुंचते-पहुंचते न इसका रूप बदला है, न ही चंचलता. कालिदास का अपना युग था. फिर भी ऋतुराज ने अपने प्रभाव में भेदभाव नहीं किया. आज भी अधिकतर कवि वसंत से अछूते नहीं रहे हैं.

शिक्षा संस्कार से भी जुड़ी है मान्यता

धर्म में आस्था और मन में विश्वास रखने वाले लोग वसंत पंचमी से अपने जीवन की नयी शुरुआत करते हैं. ऋतुओं का राजा वसंत नयी उम्मीद लेकर आता है. इस दिन ज्यादातर लोग शिक्षा संस्कार भी कराते हैं. छोटे बच्चे कलम कॉपी की पूजा करते हैं. मां सरस्वती का आशीर्वाद लेकर अपनी शिक्षा प्रारंभ करने का संकल्प भी लेते हैं. गायत्री मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सरस्वती पूजा पर शिक्षा संस्कार पर विशेष पूजा की जाती है.

प्रकृति में आता है बदलाव

वसंत पंचमी के आगमन से प्रकृति में बदलाव आने महसूस होने लगते हैं. पेड़ों पर नयी कोपलें, रंग-बिरंगे फूलों की खुशबू व पक्षियों की सुरीली आवाज गूंजने लगती है. खेतों में दूर-दूर तक सरसों के पीले फूल दिखते हैं और होली की उमंग भरी मस्ती दिखने लगती है. साथ ही इस ऋतु में प्रकृति खुद को संवारती है. मनुष्य के अलावा पशु-पक्षी उल्लास से भर जाते हैं. आम के पेड़ों पर मंजर भर आते हैं. मनुष्य के साथ पशु-पक्षियों में नयी ऊर्जा भर जाती है.

वसंत पंचमी में पीले रंग का महत्व

वसंत पंचमी से वसंत ऋतु की शुरुआत होती है. इसमें मौसम सुहावना हो जाता है. इस समय चारों ओर सरसों के पीले फूल दिखायी देते हैं. इसके अलावा सूर्य के उत्तरायण रहने से सूर्य की किरणों से पृथ्वी पीली हो जाती हैं. सब कुछ पीला-पीला होता है. मां सरस्वती को पीले रंग के फूल पसंद हैं. इस कारण से भी पीले रंग का महत्व काफी बढ़ जाता है. इसके अलावा पीले रंग को वैज्ञानिक तौर पर भी बहुत खास माना गया है. पीला रंग तनाव को दूर करता है और दिमाग को शांत रखता है. पीला रंग आत्मविश्वास भी बढ़ाता है.

आयुर्वेद में वसंत ऋतु का महत्व

आयुर्वेद में वसंत ऋतु का काफी महत्व है. इस ऋतु को ऊर्जस्कर माना गया है. इस समय शौंठ, नागरमोथा, त्रिफला चूर्ण, नीम के पत्ते को काली मिर्च के साथ पीस कर 21 दिन तक प्रयोग करने से अगले एक वर्ष तक खून साफ रहता है. इससे शरीर को चर्म रोग से निजात पाने में मदद मिलती है. वसंत ऋतु में कफ बनने की प्रवृत्ति बनी रहती है. ऐसे में त्रिकूट चूर्ण व सितोपलादि के इस्तेमाल से स्वास्थ्य लाभ जैसे खांसी, सर्दी, जुकाम के इलाज, पेट की समस्या व वजन घटाने में मदद मिलती है.

चीनी मिलों के सामने गन्ने का संकट, समय से पहले दम तोड़ सकता है पेराई सत्र

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में महाराष्ट्र में करीब सौ लाख टन गन्ना अभी तक चीनी मिलों के पास नहीं पहुंच पाया है। उत्तर प्रदेश में जल्द ही गन्ने की कमी का खतरा दिख रहा है क्योंकि इस बार उत्तर भारत में पहले बाढ़ और फिर पर्याप्त ठंड नहीं पड़ने के चलते मिलों तक गन्ना पहले ही आने लगे थे।

नई दिल्ली। गन्ना उद्योग दो-तरफा संकट से गुजर रहा है। उत्तर भारत के राज्यों में रेड रोट (लाल सड़न) और दक्षिण के राज्यों में बेमौसम वर्षा के चलते गन्ना के उत्पादन में भारी गिरावट देखी जा रही है। उत्पादकता भी बुरी तरह प्रभावित है। इसका सीधा असर चीनी मिलों पर पड़ रहा है। नवंबर से अप्रैल तक चलने वाला पेराई सत्र मार्च के मध्य में ही दम तोड़ सकता है।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) के अनुसार देश में अभी सिर्फ 507 चीनी मिलें ही चालू हैं, जबकि पिछले वर्ष 524 मिलें चालू थीं। यानी 17 मिलों को अभी तक चालू होने का इंतजार है। सबसे ज्यादा तमिलनाडु और महाराष्ट्र में चीनी मिलें बंद हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार की चीनी मिलों की स्थिति भी अच्छी नहीं है।

पेराई के लिए अभी से गन्ने की कमी होने लगी है। आशंका है कि कई चालू मिलों को मार्च में ही बंद कर देना पड़े। ऐसे में चालू सत्र में चीनी उत्पादन में 49 लाख टन की कमी आने का अनुमान है। पिछले वर्ष 319 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस बार सिर्फ 270 लाख टन का अनुमान है। चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र है, जहां टाप शूट बोरर और रेड राट (लाल सड़न) बीमारी के चलते उत्पादन नीचे चला आया है।

महाराष्ट्र और यूपी का हाल

पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में महाराष्ट्र में करीब सौ लाख टन गन्ना अभी तक चीनी मिलों के पास नहीं पहुंच पाया है। हालांकि उत्तर प्रदेश में अभी तक आठ लाख टन ज्यादा गन्ने की पेराई हो चुकी है, लेकिन जल्द ही गन्ने की कमी का खतरा दिख रहा है, क्योंकि इस बार उत्तर भारत में पहले बाढ़ और फिर पर्याप्त ठंड नहीं पड़ने के चलते मिलों तक गन्ना पहले ही आने लगे थे।

फिलहाल गन्ने के अभाव में कई मिलों को घंटों बंद रखना पड़ रहा है। हालांकि ऐसी स्थिति किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है, क्योंकि कम आपूर्ति के चलते पेराई सत्र के आखिर में गन्ने की कीमत अच्छी मिल सकती है। अधिक से अधिक गन्ना लेने के लिए मिलों के बीच प्राइस वार के हालात बन सकते हैं। उत्तर प्रदेश की मिलें तो अभी से ही पड़ोस के राज्य उत्तराखंड एवं बिहार से अधिक मूल्य पर गन्ना मंगाना शुरू कर दिया है।

अन्य राज्यों का हाल

अन्य राज्यों की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। उत्पादकता दर में 20 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। महाराष्ट्र एवं कर्नाटक में गन्ने की फसल का विकास पर्याप्त नहीं हो पाया है। समय से पूर्व फसल फ्लावरिंग स्टेज (अर्ली-मैच्योर) में पहुंच गई है। ऐसी स्थिति में सूक्रोज की मात्रा कम हो जाती है और गन्ने का वजन भी कम हो जाता है।

यही कारण है कि महाराष्ट्र में जो मिलें चालू भी हैं, उन्हें गन्ने की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कर्नाटक एवं तमिलनाडु में भी यही स्थिति है। एनएफसीएसएफ के अनुसार तमिलनाडु में चालू सत्र के लिए 8.50 लाख टन तक ही पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले सत्र की तुलना में 10.75 लाख टन से कम है।

अमेरिकी पाबंदी का आरबीआई की मुहिम पर असर नहीं, डिजिटल करेंसी पर चलता रहेगा काम

परिवहन विशेष न्यूज

आरबीआई ने 01 दिसंबर 2022 को देश के कुछ चयनित बैंकों के चयनित शाखाओं के जरिए सीबीडीसी को लागू किया था। तब बताया गया था कि यह निजी क्षेत्र की डिजिटल करेंसी (क्रिप्टोकरेंसी व अन्य) की चुनौतियों को थामने का काम करेगा। लेकिन ट्रंप ने ना सिर्फ सीबीडीसी को प्रतिबंधित किया है बल्कि क्रिप्टोकरेंसी को हरी झंडी दिखाते हुए अमेरिका को क्रिप्टो कैपिटल बनाने की भी घोषणा की है।

नई दिल्ली। ट्रंप प्रशासन की तरफ से सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को प्रतिबंधित करने से दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों के निर्देश में डिजिटल करेंसी की व्यवस्था को लागू करने की भारत की मुहिम को धक्का लगा है। लेकिन घरेलू स्तर पर आरबीआई की तरफ से सीबीडीसी व्यवस्था को प्रसारित करने की योजना को लेकर ना तो सरकार की सोच बदली है और ना ही आरबीआई की।

आरबीआई ने 01 दिसंबर, 2022 को देश के कुछ चयनित बैंकों के चयनित शाखाओं के जरिए सीबीडीसी को लागू किया था और तब यह बताया गया था कि यह निजी क्षेत्र की डिजिटल करेंसी (क्रिप्टोकरेंसी व अन्य) की चुनौतियों को थामने का काम करेगा। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ना सिर्फ सीबीडीसी को प्रतिबंधित किया है बल्कि क्रिप्टोकरेंसी को हरी झंडी दिखाते हुए अमेरिका को इसका सबसे बड़ा केंद्र बनाने की भी घोषणा की है।

अमेरिका की नई सरकार के उक्त फैसलों के भारत पर प्रभाव को लेकर आधिकारिक तौर पर अभी कोई बयान नहीं आया है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इसका एक स्पष्ट असर सीबीडीसी को लेकर जी-20 की तैयारियों पर होने का खतरा है। नवंबर, 2020 के शिखर सम्मेलन में जी-20 देशों ने विभिन्न देशों के बीच डिजिटल भुगतान की स्वीकार्यता को लेकर घोषणा की थी।

तब बताया गया था कि मौजूदा भुगतान व्यवस्था के मुकाबले सीबीडीसी काफी सस्ता, पारदर्शी व सुविधाजनक होगा। बाद में जब भारत की अध्यक्षता में वर्ष 2023 की बैठक में भी इसे एक अहम मुद्दा बनाया गया। अहमदाबाद में जी-20 के केंद्रीय बैंक के गवर्नरों व आइएमएफ, विश्व बैंक जैसे दूसरे वैश्विक संस्थानों की बैठक में इस बारे में बहस हुई कि कैसे सीबीसीडी का इस्तेमाल व्यापक आर्थिक फायदे के लिए किया जाए। नई दिल्ली घोषणा-पत्र में भी इसका जिक्र किया गया।

इस दरम्यान भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण कोरिया, यूएई समेत 36 देशों में सीबीडीसी पर प्रायोगिक तौर पर काम करना शुरू कर दिया है। जी-20 ने वर्ष 2027 तक सीबीडीसी की एक मजबूत व्यवस्था दुनिया भर में बनाने का लक्ष्य भी रखा है। अब दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति की तरफ से इससे हाथ खींचने से इस योजना पर उल्टा असर पड़ना संभव है।

सीबीडीसी को बढ़ाने पर हो रहा काम

आरबीआई की तरफ से भी सीबीडीसी को ज्यादा व्यापक बनाने का काम धीरे-धीरे चल रहा है। आरबीआई की तरफ से यह भी बताया गया था कि जून, 2024 तक भारत में 50 लाख ग्राहक सीबीडीसी का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह संख्या एक वर्ष पहले सिर्फ 13 लाख थी। हाल ही में ओडिशा सरकार ने अपनी फ्लैगशिप सुभद्रा योजना को भी आरबीआई की पायलट सीबीडीसी से जोड़ने का काम किया है।

सीबीडीसी को लागू कर रहे दिल्ली स्थित मुख्यालय वाले एक बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरबीआई की तरफ से ऐसा कोई संकेत नहीं आया है कि सीबीडीसी की रफ्तार धीमी करनी है। हालांकि यह भी तय है कि अभी इसे पूरी तरह से लांच करने को लेकर भी विमर्श नहीं चल रहा।

सनद रहे कि सीबीडीसी आरबीआई की मान्यता वाला डिजिटल करेंसी है जिसका इस्तेमाल करने के लिए ग्राहकों को एक विशेष डिजिटल खाता (डिजिटल वालेट) खोलना पड़ता है और इसका खास एप ईआर डाउनलोड करना होता है। यह भारतीय रुपये में भुगतान करने या स्वीकार करने का डिजिटल माध्यम है। आरबीआई का कहना है कि इससे सेटलमेंट करना काफी आसान है। अभी 15 भारतीय बैंकों को सीबीडीसी जारी करने की मंजूरी दी गई है।

किसानों को जल्द मिलेगी 19वीं किस्त, इस दिन खाते में आएंगे 2000 रुपये

नई दिल्ली। देश भर के करोड़ों किसान काफी समय से पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। उनका इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। सरकार ने बता दिया है कि 19वीं किस्त के पैसे किसानों के खाते में किस दिन ट्रांसफर किए जाएंगे। आइए जानते हैं कि किसानों के अकाउंट में पैसे कब आएंगे और उन्हें योजना का लाभ उठाने के लिए क्या करना होगा।

किसानों को कब मिलेगी 19वीं किस्त?

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में बताया कि पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त 24 फरवरी 2025 को जारी होगी। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार से जारी करेंगे। यह रकम डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (DBT) मोड के जरिए सीधे किसानों के खाते में पहुंचेगी। इसका लाभ देश भर के करोड़ों किसानों को मिलेगा।

e-KYC कराना है जरूरी

पीएम किसान योजना का लाभ उठाने के लिए e-KYC कराना जरूरी है। जल्द ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों की अगली किस्त के पैसे अटक सकते हैं। किसान तीन तरीकों से ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

ओटीपी आधारित eKYC

बायोमेट्रिक आधारित eKYC

फेस ऑथेंटिकेशन आधारित eKYC

लाभार्थी लिस्ट में कैसे चेक करें नाम

सरकार पीएम किसान योजना के लाभार्थियों की लिस्ट जारी करती है। इससे पता चल जाता है कि किन किसानों को योजना का लाभ मिलेगा और किन्हें। आप नीचे दिए स्टेप बाय स्टेप प्रोसे लाभार्थी लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैंः

पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट (https://pmkisan.gov.in/) पर जाएं।

'Beneficiary Status' ऑप्शन सेलेक्ट करें।

आधार या फिर बैंक अकाउंट नंबर नंबर भरें।

अब 'Get Data' को सेलेक्ट करें।

इस प्रोसेस को पूरा करने के बाद स्क्रीन पर आपको अपनी पूरी डिटेल्स दिख जाएगी। इसके जरिये आप चेक कर सकते हैं कि आपको पीएम किसान योजना का लाभ मिलेगा या नहीं।

पीएम किसान योजना क्या है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना (PM Kisan Yojana) की शुरुआत 1 दिसंबर 2018 को की थी। इसमें लाभार्थी किसानों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक मदद मिलती है। यह रकम हर चार महीने में तीन किस्तों में मिलती है। हर किस्त में 2000 रुपये डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से सीधे किसानों के खाते में आते हैं।

जीएसटी के सभी पुराने बकाए को खत्म करने का मौका, ब्याज और जुर्माने से भी मिलेगी छूट

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने जीएसटी संबंधित सभी पुरानी डिमांड को खत्म करने का फैसला किया है। कारोबारियों को सिर्फ बकाए टैक्स का भुगतान करना होगा। इस स्कीम के तहत जीएसटी संबंधित कोई भी डिमांड अगर किसी कारोबारी को अपने पोर्टल पर दिख रहा है तो वह सिर्फ टैक्स की राशि को जमा कर जुर्माने व ब्याज दोनों से छूट पा सकता है।

नई दिल्ली। आयकर की तरह सरकार जीएसटी संबंधित विवादों को भी खत्म करने का लगातार प्रयास कर रही है ताकि कारोबारियों को राहत मिल सके। इस प्रयास के तहत हाल ही में सरकार ने जीएसटी संबंधित सभी पुरानी डिमांड को खत्म करने का फैसला किया है। कारोबारियों को सिर्फ बकाए टैक्स का भुगतान करना होगा। सभी पुराने बकाए टैक्स भरने के लिए अगले साल 31 मार्च तक का समय दिया गया है। बकाए जीएसटी का भुगतान कर देने पर उन्हें टैक्स से जुड़े ब्याज और जुर्माने से पूरी तरह से छूट मिल जाएगी।

कैसे मिलेगी ब्याज और जुर्माने से छूट?

जीएसटी विशेषज्ञ और चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) प्रवीण शर्मा ने बताया कि सरकार की इस स्कीम के तहत जीएसटी संबंधित कोई भी डिमांड अगर किसी कारोबारी को अपने पोर्टल पर दिख रहा है तो वह सिर्फ टैक्स की राशि को जमा कर जुर्माने व ब्याज दोनों से छूट पा सकता है।

मान लीजिए किसी कारोबारी पर वर्ष 2018-19 से टैक्स का बकाया है और उसने चुकता नहीं किया है तो साधारण रूप में कारोबारियों को उस बकाए टैक्स पर ब्याज भी देना होगा। देर से भरने पर जुर्माना भी लगेगा। लेकिन अगले साल 31 मार्च तक बकाए टैक्स को भरने पर कोई अतिरिक्त राशि नहीं देनी होगी। लेकिन कारोबारी ने उस बकाए टैक्स को अगर किसी अदालत में चुनौती दी है तो उस चुनौती को वापस लेना होगा।

गत दिसंबर में जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी थी। इस माह इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। आयकर संबंधित पुराने विवादों को समाप्त करने के लिए सरकार विवाद से विश्वास स्कीम ला चुकी है। जीएसटी विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले साल सरकार ने जीएसटी संबंधित इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को लेकर भी कारोबारियों को बड़ी राहत दी थी।

जीएसटी रिटर्न भरने में देरी पर कारोबारियों के आईटीसी फंस जाते हैं। पिछले साल सरकार ने कारोबारियों को वित्त वर्ष 2017-18 से लेकर 2020-21 तक के आईटीसी क्लेम के लिए एक साथ पुराने जीएसटी रिटर्न भरने का मौका दिया था।

सरकार का नरम रुख

जीएसटी विवादों से जुड़े वकील पी.सी. अग्रवाल ने बताया कि सरकार का रुख अब लगातार लचीला होता जा रहा है। अगर किसी कारोबारी पर जीएसटी का बकाया है तो सरकार से गुजारिश करने पर उन्हें टैक्स जमा करने की मोहलत आसानी से मिल जाती है। गलत रिटर्न को भी सुधार कर फिर से भरने की सुविधा दी गई है। वर्ष 2017 के जुलाई में जब जीएसटी प्रणाली लागू हुई थी तो इस प्रकार की सुविधा नहीं थी।

हालांकि सरकार के बकाए पर कोई कारोबारी जवाब भी नहीं देता है, कोई संवाद नहीं करता है तो टैक्स की राशि के मुताबिक कारोबारी को सजा का भी प्रविधान है। इसके अलावा इस साल से जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल भी काम करने लगेगा। राज्यों की तरफ से ट्रिब्यूनल के सदस्यों की नियुक्ति में देरी से ट्रिब्यूनल के संचालन में विलंब हो रहा है। देश भर 44 ट्रिब्यूनल स्थापित किया जाना है। एक ट्रिब्यूनल में चार सदस्य होंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक के बूस्टर डोज का असर, शेयर बाजार में थमा गिरावट का तूफान; क्या अब ब्याज दरों में होगी कटौती?

परिवहन विशेष न्यूज

आरबीआई के उपायों से वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। लिक्विडिटी में ढील बैंकों और NBFC को क्रेडिट ग्रोथ और रेवेन्यू बढ़ाने में मदद मिलेगी। नोमुरा ने कहा कि आरबीआई से कदम से खासकर एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक को मदद मिलेगी जिनके सामने लिक्विडिटी की समस्या थी। अब फरवरी में होने वाले आरबीआई की MPC मीटिंग में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है।

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को शानदार तेजी के साथ बंद हुआ। इसकी वजह आरबीआई से मिले सकारात्मक संकेत हैं। दरअसल, आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए कुछ उपायों का एलान किया है। इससे फरवरी में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद भी बढ़ गई है।

क्या ब्याज दरों में कटौती करेगा आरबीआई?

निफ्टी 50 0.56 फीसदी बढ़कर 22,957.25 पर पहुंच गया, जबकि बीएसई सेंसेक्स 0.71 फीसदी बढ़कर 75,901.41 पर पहुंच गया। फाइनेंस सेक्टर के शेयरों 1.9 फीसदी और बैंकिंग शेयरों में 1.7 फीसदी की वृद्धि हुई। आरबीआई के लिक्विडिटी बढ़ाने के उपायों की बात करें, तो इसमें बॉन्ड खरीद और डॉलर/रुपया स्वैप शामिल हैं। इसके बारे में एनालिस्टों और ट्रेडर्स का कहना है कि यह फरवरी में ब्याज दरों (Repo Rate Cut) में कटौती का अहम संकेत हो सकता है।

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स में इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के रिसर्च हेड नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि आरबीआई के उपायों से वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। लिक्विडिटी में ढील बैंकों और NBFC को क्रेडिट ग्रोथ और रेवेन्यू बढ़ाने में मदद मिलेगी। नोमुरा ने कहा कि आरबीआई से कदम से खासकर एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक को मदद मिलेगी, जिनके सामने लिक्विडिटी की समस्या थी।

बैंकिंग शेयरों का सबसे ज्यादा फायदा

आज एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक में क्रमशः 2.5 फीसदी और 3.8 फीसदी की वृद्धि हुई। बजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज में क्रमशः 4.3 फीसदी और 3.7 फीसदी का उछाल आया। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस में भी 1.3 फीसदी की तेजी आई। ब्रोकरेज फर्म सिटी का कहना है कि सिटी ने आरबीआई के फैसले से तीनों को ज्यादा लाभ होगा। आरबीआई के बूस्टर डोज का असर ऑटो और रियल्टी स्टॉक पर दिखा। इनमें क्रमशः 1.3 फीसदी और 2.2 फीसदी की तेजी दिखी।

वहीं, फार्मा इंडेक्स में 2.3 फीसदी की गिरावट आई। यह इंडेक्स दो सत्रों में 4.9 फीसदी गिर चुका है। अमेरिका ने विदेशी सहायता रोक दी है, जिससे एड्स दवा निर्माताओं पर बुरा असर पड़ सकता है। इसी फैक्टर का असर दवा कंपनियों के स्टॉक पर दिख रहा है। स्मॉल-कैप और मिड-कैप कमजोर तिमाही नतीजों और महंगे वैल्यूएशन के चलते 1.8 फीसदी और 0.5 फीसदी की गिरावट के साथ लगातार लड़खड़ाते रहे।

8वें वेतन के लिए कितना करना होगा इंतजार, कैसा रहेगा सैलरी स्ट्रक्चर?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हाल ही में 8वें वेतन आयोग पर अपनी मुहर लगाई है। इसके लागू होने पर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में भारी इजाफा होने की उम्मीद है। इसका लाभ पेंशनभोगियों को भी मिलेगा। अमूमन वेतन आयोग सैलरी और पेंशन में 15 से 30 फीसदी तक की वृद्धि की सिफारिश करते हैं। आइए जानते हैं कि 8वां वेतन लागू होने के बाद सैलरी स्ट्रक्चर कैसा होगा। साथ ही, केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बढ़ा हुआ पैसा कब से मिलेगा।

8वां वेतन आयोग कब लागू होगा?

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में कहा था कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 2025 खत्म होने तक तैयार कर ली जाएंगी और इन्हें 2026 की शुरुआत से लागू किया जा सकता है। अभी केंद्रीय कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के तहत सैलरी मिल रही है, जिसका कार्यकाल 1 जनवरी 2026 को खत्म होने वाला है।

बढ़ी हुई सैलरी-पेंशन कबसे मिलेगी?

एक्सपर्ट का मानना है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होंगी। इसका मतलब है कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बढ़े हुए पैसे 1 जनवरी से मिलेंगे। अगर किसी कारणवश 8वें वेतन आयोग को लागू करने में कुछ देर होती है, तो सरकार 1 जनवरी से ही बढ़े हुए पैसे जोड़कर भुगतान करेगी यानी कर्मचारियों को एरियर मिलेगा।

सैलरी स्ट्रक्चर कैसा होगा?

7वें वेतन आयोग के तहत फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। इससे केंद्रीय कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सैलरी 7,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये हो गई थी। 8वें वेतन आयोग में अधिकतम फिटमेंट फैक्टर 2.86 होने की उम्मीद है। इस हिसाब से न्यूनतम बेसिक वेतन 51,480 रुपये तक बढ़ सकता है। ज्यादातर एक्सपर्ट का अनुमान है कि न्यूनतम बेसिक वेतन 41,000 से 51,480 रुपये महीना के बीच रह सकता है।

चीनी का बढ़ेगा भाव! गन्ने का उत्पादन घटा, रिकवरी रेट भी न्यूनतम स्तर पर

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन लागत और मजदूरी के साथ अन्य खर्चे भी बढ़े हैं लेकिन गन्ने से चीनी निकलने की मात्रा घट गई है। इसकी सीधी मार किसानों पर पड़ रही है। चीनी मिल संचालक किसानों के गन्ने को कमतर श्रेणी का बताकर मूल्य घटा रहे हैं। किसान लाचार हैं क्योंकि 11 प्रतिशत तक रिकवरी वाली गन्ने की उन्नत प्रजाति 0238 तेजी से बीमारी की चपेट में आ रही है।

नई दिल्ली। प्रतिकूल मौसम एवं बीमारी के चलते गन्ने के उत्पादन में गिरावट के साथ-साथ चीनी की रिकवरी दर में भी कमी देखी जा रही है। इससे चीनी उद्योग की चिंता बढ़ गई है। किसानों का नुकसान तय है। उपभोक्ताओं की जेब पर भी असर पड़ सकता है। रिकवरी का आशय गन्ने से चीनी निकलने की दर से है, जो फसल की गुणवत्ता, मौसम की स्थितियों एवं चीनी मिलों के शुरू होने के समय पर निर्भर करता है।

भारत में रिकवरी दर को दस प्रतिशत से ऊपर रहने पर बेहतर माना जाता है, किंतु इस बार कोई राज्य इसके आसपास भी नहीं पहुंचा है। राष्ट्रीय स्तर पर रिकवरी दर 8.81 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी दौरान यह आंकड़ा 9.37 प्रतिशत था। साफ है इस बार अभी तक गन्ने से 0.56 प्रतिशत कम चीनी की प्राप्ति हो रही है।

गन्ने की रिकवरी दर (प्रतिशत में)

राज्य	2024-25	2023-24
उत्तर प्रदेश	9.05	9.90
हरियाणा	8.30	9.20
मध्य प्रदेश	8.50	9.50
पंजाब	8.30	8.40
उत्तराखंड	8.70	9.20
बिहार	9.20	9.20
महाराष्ट्र	8.80	8.95
कर्नाटक	8.50	9.60
तमिलनाडु	8.30	8.90

इसे सामान्य भाषा में ऐसे समझा जा सकता है कि पिछले साल चीनी मिलों तक पहुंचने वाले गन्ने से प्रति क्विंटल 9.37 किलोग्राम चीनी निकलती थी। इस बार उतने ही गन्ने से मात्र 8.81 किलो चीनी निकल रही है। जबकि पिछले वर्ष की तुलना में गन्ने की कीमतें बढ़ी हैं। उत्तर प्रदेश में प्रति क्विंटल 20 रुपये की वृद्धि हो चुकी है।

परिवहन लागत और मजदूरी के साथ अन्य खर्चे भी बढ़े हैं, किंतु गन्ने से चीनी निकलने की मात्रा घट गई है। यह बड़ा संकट है। इसकी सीधी मार किसानों पर पड़ रही है। चीनी मिल संचालक किसानों के गन्ने को कमतर श्रेणी का बताकर मूल्य घटा रहे हैं। किसान लाचार हैं, क्योंकि 11 प्रतिशत तक रिकवरी वाली गन्ने की उन्नत प्रजाति 0238 तेजी से बीमारी की चपेट में आ रही है। इसका कोई विकल्प भी नहीं है।

12 राज्य गन्ने के प्रमुख उत्पादक

नेशनल फेडरेशन ऑफ को-आपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक प्रकाश नाइकनवरे के अनुसार देश में 12 राज्य प्रमुखता से गन्ने का उत्पादन करते हैं। रिकवरी के मामले में इनमें से आठ राज्यों का हाल बुरा है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार और तेलंगाना को छोड़कर किसी राज्य में रिकवरी दर नौ प्रतिशत तक नहीं पहुंच पाई है।

सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश की रिकवरी में 0.85 प्रतिशत की गिरावट है। दूसरा महाराष्ट्र है, जहां 0.15 प्रतिशत की गिरावट है। मध्य प्रदेश और हरियाणा की स्थिति भी अधिक खराब है। यहां रिकवरी दर में लगभग एक प्रतिशत की कमी है।

चीनी का MSP पांच साल से स्थिर

चीनी मिल संगठनों का कहना है कि उत्पादन लागत में करीब 150 रुपये प्रति क्विंटल तक वृद्धि हो गई है, जबकि चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) पिछले पांच वर्ष के आंकड़े पर स्थिर है। किसानों के घाटे को देखते हुए अगर गन्ने के परामर्श मूल्य में वृद्धि की गई तो चीनी मिलों का घाटा बढ़ जाएगा।

इसलिए उनकी मांग चीनी की एमएसपी बढ़ाने की है, लेकिन ऐसा होने पर मिलों और किसानों के नुकसान की भरपाई तो की जा सकती है, मगर उपभोक्ताओं की जेब ढीली हो सकती है।

आंध्र प्रदेश इंजीनियर रेप-मर्डर केस: 'मैं इसे भगवान पर छोड़ता...', SC के फैसले के बाद छलका लड़की के पिता का दर्द

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश की 23 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की हत्या के मामले में मौत की सजा पाए व्यक्ति को बरी कर दिया। अब इसके बाद लड़की के पिता ने कहा वह इसे भगवान पर छोड़ देंगे और सोच रहे थे कि वह क्या कर सकते हैं। मेरी बेटी को वापस लाओ हम क्या कर सकते हैं?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश की 23 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की हत्या के मामले में मौत की सजा पाए व्यक्ति को बरी कर दिया। अब इसके बाद लड़की के पिता का बयान सामने आया है। पिता ने कहा, वह इसे भगवान पर छोड़ देंगे और सोच रहे थे कि वह क्या कर सकते हैं।

अदालत ने अभियोजन पक्ष के मामले में खामियों का हवाला देते हुए चंद्रभान सुदाम सनप को बरी कर दिया और कहा कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे अपना मामला स्थापित करने में असफल रहा।

कैसे हुई लड़की की हत्या?

एस्तेर अनुहया (23), जो दो हफ्ते की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के बाद मुंबई लौटी थी। 16 जनवरी 2014 को कांजुर मार्ग के पास मृत पाई गई थी।

वह मुंबई में टीसीएस में कार्यरत थी और आखिरी बार उसे लोकमान्य तिलक टर्मिनस रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते देखा गया था।

मुंबई पुलिस ने किया था गिरफ्तार

बाद में, मुंबई पुलिस ने अनुहया के साथ कथित तौर पर बलात्कार और हत्या करने के आरोप में सनप को गिरफ्तार कर लिया। अदालती मुकदमे और दोषसिद्धि के बाद, उन्हें मौत की सज़ा सुनाई गई, जिसे बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा।

मंगलवार को अदालत ने अभियोजन मामले में खामियों का हवाला देते हुए सनप को बरी कर दिया। इसके बाद अनुहया के पिता का बयान सामने आया है, उन्होंने कहा, मेरी बेटी को वापस लाओ 'हम क्या कर सकते हैं? दरअसल, हमें नहीं पता था कि क्या हो रहा है। हम यह भी नहीं जानते हैं कि उन्होंने (सनप) सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। लेकिन हम क्या करें? मैं इसे भगवान पर छोड़ता हूं और जो कुछ भी होगा, मैं नहीं करूंगा।'

क्या बोले लड़की के पिता?

लड़की के पिता प्रसाद के अनुसार, जिला अदालत, विशेष अदालत और महिला अदालत ने सनप को दोषी ठहराया, जिसे बॉम्बे हाई कोर्ट ने बरकरार रखा, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ। 'यह 10 साल पहले की बात है। क्या कहें? 10 साल पहले हमने सराहना की थी कि कुछ न्याय हुआ। अब यह पूरी तरह से बदल गया है। मुझे कारण नहीं पता। फिर से, मुझे 10 साल पहले के अपने दुखद दिन याद आ रहे हैं, कैसे मुझे पीड़ा झेलनी पड़ी थी

मुंबई पुलिस की सराहना करते हुए, रिटायर्ड प्रोफेसर ने कहा कि इसने बहुत सावधानी बरती और अपराध को फिर से बनाया, उन्होंने कहा कि अनुहया का पहचान पत्र और उससे संबंधित अन्य सामान सनप के घर में पाए गए थे।

हालांकि कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं था, उन्होंने कहा कि पुलिस ने पर्याप्त परिस्थितिजन्य सबूत इकट्ठा किए और सही व्यक्ति को पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि वह अब इस मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहते क्योंकि वह अपने आखिरी दिन शांति से बिताना चाहते हैं।

'पहले नहीं देखा होगा ऐसा दृश्य...', GSLV-एफ 15 रॉकेट लॉन्च, ISRO ने रचा इतिहास; सामने आया वीडियो

इस मिशन में एक नेविगेशन सैटेलाइट को जीएसएलवी रॉकेट पर लॉन्च किया गया। कुछ घंटों बाद इसरो ने एनवीएस-02 के लॉन्च के दौरान जीएसएलवी-एफ15 से एक मिनट लंबा ऑनबोर्ड फुटेज साझा किया। एक्स पर पोस्ट किया गया ऐसा सीन पहले नहीं देखा होगा! भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम लगातार प्रेरित कर रहा है। वीडियो में रॉकेट का लाइव सीन देखा जा सकता है इसके दृश्य काफी खतरनाक हैं।

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने आज अपने ऐतिहासिक 100वें मिशन की सफल लॉन्चिंग की। इस मिशन में एक नेविगेशन सैटेलाइट को जीएसएलवी रॉकेट पर लॉन्च किया गया। कुछ घंटों बाद, इसरो ने एनवीएस-02 के लॉन्च के दौरान जीएसएलवी-एफ15 से एक मिनट लंबा ऑनबोर्ड फुटेज साझा किया।

यह मिशन अंतरिक्ष एजेंसी के नए अध्यक्ष वी नारायणन के लिए पहला मिशन था। ISRO ने इसको लेकर एक्स पर भी पोस्ट किया।

खतरनाक है दृश्य

एक्स पर पोस्ट किया गया, 'ऐसा सीन पहले नहीं देखा होगा! भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम लगातार प्रेरित कर रहा है।'

6 बार हुआ फेल

अब तक हुए 16 लॉन्च में से ये रॉकेट 6 बार असफल हुआ, जो कि 37 प्रतिशत की बड़ी विफलता दर है। इसकी तुलना में, भारत के लेटेस्ट लॉन्च व्हीकल मार्क-3, जिसे 'बाहुबली' रॉकेट के नाम से भी जाना जाता है की सफलता दर 100 प्रतिशत है।

यह भी उसी परिवार का एक रॉकेट है जहां भारत ने क्रायोजेनिक इंजन बनाने में महारत हासिल करने का अपना कौशल दिखाया था, एक ऐसी तकनीक है जिसमें देश को महारत हासिल करने में दो दशक लग गए, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव में रूस ने भारत को इसकी टेक्नॉलिजी ट्रांसफर से इनकार कर दिया था।

श्रीहरिकोटा से 100वां मिशन किया लॉन्च

जीएसएलवी-एफ15 जीएसएलवी की 17वीं उड़ान और स्वदेशी क्रायो चरण के साथ ग्यारहवीं उड़ान है।यह स्वदेशी क्रायोजेनिक फेज के साथ जीएसएलवी की आठवीं परिचालन उड़ान और स्पेसपोर्ट श्रीहरिकोटा से 100वां लॉन्च था।

मौनी अमावस्या पर डुबकी के लिए गंगा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- दान-पुण्य कर मांगी सुख-समृद्धि की कामना

सुनील बाजपेई

कानपुर। आज यहां बुधवार को मौनी अमावस्या पर डुबकी के लिए सभी गंगा घाटों पर भारी भीड़ उमड़ी। इसके लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई अहम कदम उठाए गए। सभी घाटों में सुरक्षाबल भी तैनात रहे, ताकि गंगा स्नान में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।

आज शहर के बिठूर, अटल, परमट, सरसैया, मैस्कर, सिद्धनाथ, शुक्लागंज समेत सभी 14 घाटों पर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने के लिए हजारों की संख्या में पहुंचे। इसके लिए घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पूरे इंतजाम किये गये थे।

आचार्य अश्वनी तिवारी ने बताया कि माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या मौनी अमावस्या के नाम से जानी जाती है। इस अमावस्या को लेकर श्रद्धालुओं में बड़ी ही आस्था है।

जबकि शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव और पितरों के साथ-साथ भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है। मान्यता है कि मौन रहकर गंगा स्नान करने से सुख समृद्धि और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यदि किसी के ऊपर पितृ दोष भी हैं, तो आज के दिन गंगा स्नान कर दान-पुण्य करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

बोलेरो बिजली के खंभे से टकराई, दो की मौत

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : बरगढ़ जिले के भटली चैक के पास एक भीषण दुर्घटना घटी। बोलेरो अनियंत्रित होकर दुकान में जा घुसी, दो लोगों की मौत। जानकारी के अनुसार आज सुबह भटली चौक के पास एक बोलेरो अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। फिर एक दुकान में तोड़फोड़ की गई। परिणामस्वरूप दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को गंभीर हालत में जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया।बाद में सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच कर रही है।

हिंदू परंपराओं में महाकुंभ मेले का महत्त्व

महाकुंभ विविध पृष्ठभूमि के लाखों व्यक्तियों को एकजुट करता है, सामाजिक सामंजस्य और सांस्कृतिक संपर्क के लिए एक स्थान स्थापित करता है। यह आयोजन पर्यटन, स्थानीय व्यवसायों के लिए समर्थन और रोजगार सर्जन के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है। आगामी 45-दिवसीय धार्मिक उत्सव 2012 के महाकुंभ की तुलना में तीन गुना बड़ा और अधिक महंगा होने का अनुमान है। हर दिन लाखों भक्तों के भाग लेने के साथ, महाकुंभ दुनिया भर में सबसे बड़ी सभाओं में से एक है, जो भारत के आध्यात्मिक महत्त्व का प्रतीक है। प्रयागराज, जहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती नदियाँ मिलती हैं, का आध्यात्मिक महत्त्व बहुत अधिक है और इसे अक्सर भारतीय ग्रंथों में ₹सबसे प्रमुख तीर्थ स्थल₹ के रूप में वर्णित किया जाता है।

– डॉ० सत्यवान सौरभ

इस वर्ष, महाकुंभ मेला पौष पूर्णिमा की शुभ तिथि पर शुरू हुआ, जो 13 जनवरी, 2025 को हुआ और 26 फरवरी, 2025 तक चलेगा। इस वर्ष का महाकुंभ मेला विशेष रूप से विशेष है क्योंकि नक्षत्रों का संरेखण ऐसा कुछ है जो हर 144 वर्षों में केवल एक बार होता है। महाकुंभ मेला हिंदू धर्म में सबसे महत्त्वपूर्ण और पूजनीय धार्मिक समागमों में से एक है, जो हर बारह साल में चार पवित्र स्थलों पर होता है: प्रयागराज (जिसे पहले इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था), हरिद्वार, उज्जैन और नासिक। महाकुंभ मेला एक पवित्र तीर्थयात्रा है जो 12 वर्षों की अवधि में चार बार होती है, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी शांतिपूर्ण सभा के रूप में मान्यता प्राप्त है।

अनगिनत तीर्थयात्री आध्यात्मिक मुक्ति और पापों की शुद्धि की तलाश में पवित्र नदियों में डुबकी लगाने के लिए इकट्ठा होते हैं। कुंभ मेले की मूल कथा पुराणों में पाई जाती है, जो प्राचीन मिथकों का संग्रह है। आम तौर पर यह माना जाता है कि भगवान विष्णु ने मोहिनी का रूप धारण करके कुंभ को लालची राक्षसों से छीन लिया था, जिन्होंने इसे हड़पने का प्रयास किया था। कुंभ मेले की शुरुआत हज़ारों सालों से होती आ रही है, जिसका उल्लेख मौर्य और गुप्त दोनों युगों (4वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 6वीं शताब्दी ई.पू.) में मिलता है। इसे चोल, विजयनगर साम्राज्य, दिल्ली सल्तनत और सम्राट अकबर सहित मुगलों जैसे शाही परिवारों से संरक्षण प्राप्त हुआ। महाकुंभ मेले की शुरुआत 8वीं शताब्दी के विचारक आदि शंकराचार्य द्वारा दर्ज की गई थी। 19वीं शताब्दी में जेम्स प्रिंसेप जैसे ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा दर्ज किए गए इस मेले का भारत की स्वतंत्रता के बाद महत्त्व बढ़ गया, यह एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। 2017 में, यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में स्वीकार किया, जो भारत की स्थायी परंपराओं को उजागर करता है।

यह त्यौहार बहुत आध्यात्मिक महत्त्व रखता है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं और रीति-रिवाजों में गहराई से समाया हुआ है। कुंभ मेले की उत्पत्ति समुद्र मंथन या समुद्र मंथन से जुड़ी है, जिसके दौरान देवताओं (देवों) और राक्षसों (असुरों) ने अमरता के अमृत को सुरक्षित करने के लिए मिलकर काम किया था। मिथक के अनुसार, इस मंथन के दौरान, अमृत से भरा एक घड़ा (कुंभ) सतह पर आया था। राक्षसों को इसे जब्त करने से रोकने के लिए, भगवान विष्णु ने मोहिनी के वेश में घड़ा लिया और भाग निकले। परिणामस्वरूप, अमृत की बूँदें चार स्थानों पर गिरीं: प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक। तब से ये स्थान हिंदुओं के लिए पूजनीय तीर्थ स्थल बन गए हैं, माना जाता है कि त्यौहार के दौरान उनके जल में स्नान करने वालों को आध्यात्मिक लाभ मिलता है।

महाकुंभ मेले का प्राथमिक समारोह शाही स्नान है, जिसके दौरान लाखों भक्त महत्त्वपूर्ण समय पर पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह अभ्यास व्यक्तियों को उनके पापों से शुद्ध करता है और उन्हें पुनर्जन्म (संसार) के चक्र से मुक्त करता है, अंततः उन्हें मोक्ष या आध्यात्मिक मुक्ति की ओर ले जाता है। प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती का मिलन स्थल मोक्ष प्राप्ति के लिए विशेष रूप से प्रतिष्ठित है। अपने आध्यात्मिक महत्त्व के अलावा, महाकुंभ मेला एक जीवंत सांस्कृतिक उत्सव के रूप में कार्य करता है जो विभिन्न व्यक्तियों को एकजुट करता है। इसमें तपस्वी (साधु), भक्त और दर्शक शामिल होते हैं जो उपवास, दान कार्य और सामूहिक प्रार्थना जैसे कई अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। यह सभा प्रतिभागियों के बीच जाति और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुटता की भावना को बढ़ावा देती है। यह त्यौहार पीढ़ियों से चली आ रही अपनी परंपराओं और प्रथाओं के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी उजागर करता है।

महाकुंभ विविध पृष्ठभूमि के लाखों व्यक्तियों को एकजुट करता है, सामाजिक सामंजस्य और सांस्कृतिक संपर्क के लिए एक स्थान स्थापित करता है। यह आयोजन पर्यटन, स्थानीय व्यवसायों के लिए समर्थन और रोजगार सर्जन के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है। आगामी 45-दिवसीय धार्मिक उत्सव 2012 के महाकुंभ की तुलना में तीन गुना बड़ा और अधिक महंगा होने का अनुमान है। हर दिन लाखों भक्तों के भाग लेने के साथ, महाकुंभ दुनिया भर में सबसे बड़ी सभाओं में से एक है, जो भारत के आध्यात्मिक महत्त्व का प्रतीक है। प्रयागराज, जहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती नदियाँ मिलती हैं, का आध्यात्मिक महत्त्व बहुत अधिक है और इसे अक्सर भारतीय ग्रंथों में ₹सबसे प्रमुख तीर्थ स्थल₹ के रूप में वर्णित किया जाता है।

महाकुंभ मेले में दुनिया भर से 400 मिलियन से अधिक आगंतुक आए। दक्षिण कोरियाई यू ट्यूबर्स और जापान, स्पेन, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के यात्रियों सहित अंतर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की एक विस्तृत श्रृंखला इस आयोजन की भव्यता से मंत्रमुग्ध थी। संगम घाट पर, कई लोगों ने महाकुंभ के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्त्व के बारे में जानने के लिए स्थानीय गाइडों से बातचीत की। आध्यात्मिकता और संस्कृति के इस 45-दिवसीय उत्सव ने दुनिया के सभी हिस्सों से लोगों को आस्था और आध्यात्मिकता पर केंद्रित अनुष्ठानों, प्रार्थनाओं और वार्तालापों में भाग लेने के लिए एक साथ लाया।

प्रयागराज भगदड़: प्रशासनिक लापरवाही या भक्तों का उन्माद

एक पौराणिक शहर की सीमाओं पर विचार करना चाहिए, जिसे अपनी धार्मिक विरासत को बनाए रखते हुए आठ करोड़ लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। दस लोगों के लिए डिज़ाइन की गई जगह में सौ लोग कैसे रह सकते हैं? यह विचार करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा, वीवीआईपी संस्कृति और सरकार के मुनाफे की खोज, जिसमें राजस्व के लिए हर उपलब्ध भूमि को पट्टे पर देना और बिचौलियों को शामिल करना शामिल है, के बीच का सम्बंध मामले को और जटिल बनाता है। यह धार्मिक भक्ति का मामला है, प्रतिस्पर्धा या उन्माद का नहीं।

–प्रियंका सौरभ

प्रयागराज में हुई भगदड़ के बारे में सुनना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की जान चली गई। यह घटना निस्संदेह विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक चर्चाओं को जन्म देगी। विपक्ष आलोचना करेगा, जबकि सरकार अपने कार्यों को सही ठहराने का प्रयास करेगी, लेकिन जो लोग मर चुके हैं उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है।

प्रयागराज में संगम तट पर वर्ष 2013 के कुंभ मेले के दौरान 10 फरवरी दिन रविवार को मौनी अमावस्या का स्नान था। कुचलने और गिरने से 35 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि दर्जनों लोग घायल हुए थे। जिनका अस्पताल में कई दिनों तक इलाज़ चला था। 1954 में मौनी अमावस्या के दिन नेहरू जी ने संगम में स्नान किया, जो इस मेले का मुख्य आकर्षण था। इस कुंभ मेले के दौरान एक दर्दनाक हादसा भी हुआ। मौनी अमावस्या के स्नान के समय, एक हाथी नियंत्रण से बाहर हो गया और भगदड़ मच गई। इस दुर्घटना में करीब 500 लोग मारे गए।

भगदड़ के बाद भीड़ को नियंत्रित करने और सूचना देने के लिए लाउडस्पीकर्स का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा, रात के समय मेले में रोशनी के लिए 1000 से अधिक स्ट्रीट लाइट्स लगाई गई थीं। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इसके बाद, कुंभ मेले में हाथियों के उपयोग पर हमेशा के लिए रोक लगा दी गई। अपने घर में छोटा-सा कार्यक्रम करिए उसको सकुशल संपन्न कराने में हवा निकल जाती है यहाँ तो पूरा विश्व आया हुआ है करोड़ों की संख्या में।

एक पौराणिक शहर की सीमाओं पर विचार करना चाहिए, जिसे अपनी धार्मिक विरासत को बनाए रखते हुए आठ करोड़ लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। दस लोगों के लिए डिज़ाइन की गई जगह में सौ लोग कैसे रह सकते हैं? यह विचार करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा, वीवीआईपी संस्कृति और सरकार के मुनाफे की खोज, जिसमें राजस्व के लिए हर उपलब्ध भूमि को पट्टे पर देना और बिचौलियों को शामिल करना शामिल है, के बीच का सम्बंध मामले को और जटिल बनाता है। यह धार्मिक भक्ति का मामला है, प्रतिस्पर्धा या उन्माद का नहीं।

कुछ लोग इसे प्रशासन की नाकामी बता रहे हैं। लिखना और आलोचना करना बहुत आसान है लेकिन जहाँ पर लाखों, करोड़ों लोगों की भीड़ हो ओर उसमें भी बहुत बड़ी संख्या में बुजुर्ग हो। घाटों पर जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान कर रहे हो, बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान करके बाहर निकल रहे हो और बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम स्नान करने जा रहे हों। हादसे की संभावना बनी रहती है और अफ़सोस हादसा हो ही गया।

हमेशा याद रखें। प्रशासन एक-एक का हाथ पड़कर स्नान नहीं करवा सकता। हादसा कहीं भी हो सकता है। ना इसमें पूरा प्रशासन का दोष है और ना ही इसे विपक्ष की साज़िश कहा जा सकता है। यह महज़ एक हादसा है। हादसे के बाद पूरे संगम क्षेत्र में स्थिति बिलकुल सामान्य है लेकिन मीडिया अपने टीआरपी के लिए सनसनी पैदा कर रहा है। जबकि मीडिया की जिम्मेवारी है कि वह घटना (भगदड़) की वज़ह की रिपोर्टिंग पर करें।

इसके अतिरिक्त लोग महाकुम्भ में जिस श्रद्धा आस्था के साथ आएँ हैं, उसी श्रद्धा पूर्वक उन्हें कर्तव्यबोध भी रहे। सरकार के नियम, अनुशासन, चेतावनी का उसी आस्था से पालन करे। जब अयोध्या और काशी में आशातीत भीड़ हो गई है तो प्रयागराज में महाकुंभ में सम्मिलित श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान भी नहीं किया जा सकता। सभी लोग त्रिवेणी संगम में ही स्नान के लिए हठ न करें, चालीस किलोमीटर इधर और उधर, यानी अस्सी किलोमीटर तक फैला हुआ स्नान घाट बनाया गया है। वहीं स्नान कर कृपया व्यवस्था में सहयोग बनाएँ।

ऐसा लगता है कि सरकार ख़ुद को सर्वश्रेष्ठ आयोजक के रूप में दिखाने पर केंद्रित है, जबकि कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से सनातन को बढ़ावा देने में अधिक रुचि रखते हैं, आम भक्तों की भावनाओं की उपेक्षा करते हैं। ब्रह्म कल्प के दौरान लगभग 45 दिनों तक, शाही स्नान (शाही स्नान) प्रतिदिन होता है, फिर भी हमारे धार्मिक नेताओं ने इसे श्रद्धालुओं तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँचाया है।

इन नेताओं द्वारा कुंभ स्नान का वास्तविक महत्त्व जनता को पर्याप्त रूप से नहीं बताया गया है। यदि सनातन धर्म पर चर्चा करने के लिए अक्सर टेलीविजन पर आने वाले धार्मिक व्यक्ति कल्पवास के इन 45 दिनों के दौरान प्रत्येक प्रहर के दौरान स्नान के महत्त्व पर ज़ोर देते, तो भारी भीड़ को अलग-अलग दिनों में फैलाया जा सकता था, जिससे संभावित रूप से ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकता था।

अत्यधिक प्रचार के कारण महाकुंभ में बेहिसाब भीड़ जमा हो गई। इसके अतिरिक्त वीआईपी यानी अति विशिष्ट को ज़रूरत से ज़्यादा महत्त्व और आमजन को अनेक रास्तों पर रोकना या वापस भेजना या मोक्ष मार्ग पर अति विशिष्ट के लिए अलग मार्ग भी एक कारण। भगदड़ के लिए बस एक छोटी—सी गलती की ज़रूरत होती है। एक बात और असरदार या धनी लोग द्वारा अपने पैसों के दम पर सामान्य तीर्थयात्रियों का हक़ मार लेना, उनको पीछे धकेल देना। क्या यह पाप नहीं है? क्या गंगाजी इस तरह के पापिओं के पाप धो पाएगी? दिवंगत आत्माओं को शांति मिले।

शंकराचार्य आश्रम के प्रभारी कैवल्यनंद ने संगम तट पर जग के अलविदा कहा

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

चक्रधरपुर ,जगत गुरू शंकराचार्य ज्योतिष पीठाधीश्वर एवं द्वारका शारदा पीठाधीश्वर स्वरूपा नंद सरस्वती जी के परम शिष्य एवं उनके द्वारा स्थापित विश्व कल्याण आश्रम काली कोकिला गोयल केरा पश्चिमी सिंहभूम , झारखंड समीज आश्रम के प्रभारी कैवलानंद जी महाराज संगम तट पर मौनी अमावस्या के दिन आज 9.45 सुबह बजे ब्रम्हलीन हुए ।

बताया जाता है कि बुधवार भोर पूर्ण कुंभ के संगम मे स्नान के बाद लम्बी दुरी तय कर जब ब्रम्हचारी पैदल चले तो उन्हे हृदयाघात हुई जहां वे नश्वर शरीर को छोड़ संगम जैसे पवित्र माटी मे स्वर्ग सिधार गये है ।इधर उनके नहीं रहने से समुचे सिंहभूम मे शोक का साया पसरा है ।हम बताते चलें कि ब्रह्मचारी कैवल्यानंद 1976 से समीज आश्रम से जुड़े थे । आज समाचार की पुष्टि करते हुए पश्चिम सिंहभूम के गोयलकेरा प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मिडिया को फोन पर बताया कि विगत 24 जनवरी को वे कुंभ स्नान हेतु संगम मे गए थे , जहां उनकी 9बजे देहावसान हूई है ।संगम में जाने से पूर्व उनका कुछ काम प्रशासन के साथ था जिसका वे कुंभ से लौटकर आने के बाद करने की बात कर चुके थे।

व्यंग लेख शीर्षक - क्या लोकसेवकों के यहां भरा भण्डार है?

छोटे मोटे दुबले पतले कैसे भी कर्मचारी हों कोई से भी विभाग में उनका कुनबा हो भ्रष्ट तंत्र की दीमक उस पर अपना काम दिखा ही देती है। उसको धन सम्पदा की कोई कमी नहीं रहती है। उनका खाजाना मानों स्वयं कुबेर देवता ही बड़े बड़े घड़ों में भर रहें होते हैं। आज कल जहां भी देखो ऐसे ही धन दौलत के लोभी मिल रहे हैं जो छोटी मोटी नौकरी के बल पर ना जाने कौन सी विधा से वह धन की देवी लक्ष्मी जी को प्रसन्न कर लेते हैं यह देखकर दिमाग का दही हों जाता है ।अरे कोई कर्मचारी जिनकी कार में कई किलो सोना, नगदी की माया ही माया हो और वह भी शहर से दूर जंगल में पड़ी मिले ? जिसका वह सब माल है वह स्वयं दूसरे देश में यानि विदेशी धरती पर मस्ती आंनद उठा रहा हो ।यह क्या है भाई समझ में नहीं आता। क्या लोकसेवक का भरा भण्डार है। यह कोई देवी देवताओं पीर फकीरों का आशीष है जो सिर्फ इन्हें ही मिलता है। तभी तो अनुकंपा नियुक्ति पर रहने वाला व्यक्ति के पास यह सब माला माल मिल रहा है। अरे यह क्या है कहीं कोई जादू की छड़ी तो नहीं मिल गई थी या उसके पास कोई पारस पत्थर तो नहीं था ? नाम लोक सेवक काम धंन संग्रह मानों चांदी की चम्मच सरकारी नौकरी में ही रहतीं हैं। ऐसा लगता है ऐसे रिश्वतखोर लोगों की सब उंगली कड़ाई में ही रहतीं हैं। तभी तो फल फूल रहे होते हैं चाहे साहब हो या कर्मचारी । मानों विधाता ने एक अलग लाईन खेच रखीं हो उन लोगों की हाथों की लकीरों को। तभी तो इतने धन दौलत के इतने भण्डार मिल रहे हैं जब कार्यवाही होती है तब यह राजा महाराजाओं की तरह अपनी सभी काली कमाई को जनता के समाने भण्डार में खुलता हुआ दिखाया जाता है। तो जनता भी दांतों तले उंगलियां लेती है। भ्रष्ट लोगों का यही चित्रण देखने को तभी मिलता है जब भण्डार खोला जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023